दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

सुंदर आकर्षक पक्षी .....

अनोखा बर्थ डे

वर्ष : 10 | अंक : 347 | लखनऊ, 30 नवम्बर, शनिवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

सीएम योगी ने भर दी हुंकार

किसी को कोई संदेह नहीं, 2027 में फिर से खिलेगा कमल

संवाददाता / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश विधान सभा में नवनिर्वाचित भाजपा-एनडीए विधायकों के अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुंकार भरी है। योगी ने कहा कि वर्ष 2027 में प्रदेश में फिर से 'कमल' खिलेगा, इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सीसामऊ में सुरेश खन्ना के नेतृत्व में पार्टी ने मजबूती से काम किया। चुनाव के आखिरी चरण तक भी कोई नहीं कह सकता था कि बीजेपी यहां हार जाएगी। हम महज 7000-8000 वोटों से हारे, जबकि पहले यह संख्या काफी ज्यादा होती थी। हम इस संख्या को काफी हद तक कम करने में सफल रहे हैं।

योगी ने कहा कि कोई भी सफलता हमें आगे बढ़ने और बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। लेकिन, असफलताएं हमारा ध्यान इस ओर खींचती हैं कि क्या सुधारने की जरूरत है और इसे एक अवसर के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम प्रयास करते रहेंगे तो 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से कमल खिलेगा। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी।

योगी ने प्रदेश की नौ सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया और कहा कि नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि विपक्षी गठबंधन की ह्यलूट और झूठह्न की राजनीति खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि यह जीत एक रहेंगे, सेफ रहेंगे पर जनता जनार्दन की मुहर है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन को जाता है। उनका अनुकरणीय नेतृत्व सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में डबल इंजन सरकार को आगे बढ़ा रहा है। साथ ही हमें कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह प्रचंड जनादेश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास को दर्शाता है। जनता का दृढ़ विश्वास है कि उनकी नीतियां और निर्णय राष्ट्र और समाज के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप हैं और इस चुनाव के माध्यम से इस विश्वास की पुष्टि हुई है।

सत्ता के भूखे लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं, विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिनों के लिए ओडिशा के दौरे पर हैं। भुवनेश्वर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो आपकी आंखों में मैं देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, और अब महाराष्ट्र! यही तो बीजेपी की विशेषता है। यही तो बीजेपी के कार्यकताओं का सामर्थ्य है।

मोदी ने कहा कि चुनाव से कुछ महीने पहले तक बड़े-बड़े पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। ये लोग कह रहे थे कि ओडिशा में भाजपा इतनी बड़ी ताकत बन ही नहीं सकती कि वो अपने बलबूते पर सरकार बना लें। लेकिन जब परिणाम आए, तो लोग हैरान हो गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठते हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओड़िशा के घर-घर पहुंच चुका था।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजनीति में नीतिगत विरोध बहुत स्वाभाविक है। किसी भी निर्णय को लेकर अलग-अलग मत हो सकते हैं। राजनीतिक दल अपनी बात जनता के बीच पहुंचाने के आंदोलन भी करते रहते हैं। लोकतंत्र और संविधान की मयार्दा में रहकर अपने विचार भी प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से एक बहुत बड़ा बदलाव आप सब महसूस कर रहे होंगे। भारत के संविधान की भावनाओं को कुचल दिया जाता है, लोकतंत्र की सारी मान-मयार्दाओं को अस्वीकार किया जाता है। जो लोग सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं, उनके पास केंद्र की सत्ता पिछले 1 दशक से नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं। ये लोग अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए उन्होंने लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। उनकी झूठ और अफवाह की दुकान 50-60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है।

मोदी ने कहा कि ऐसे में जागृत नागरिकों के लिए, भाजपा कार्यकताओं के लिए, जो देश को प्यार करते हैं, जो संविधान का सम्मान करते हैं, उनके लिए ऐसे लोगों की हरकतें, इरादे और उनके कारनामे बहुत बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए मैं सभी देशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें हर पल सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को बेनकाब करना है। उन्होंने कहा कि सत्ता के भूखे ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। जब इनका एक झूठ लोगों पर काम नहीं करता, तो उससे बड़ा दूसरा झूठ ये घड़ते हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c
न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g
चांदी 96/ g
सेंसेक्स 81,634.72
निफटी 25,013.85

रेल मंत्री ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की विनिर्माण प्रक्रिया में देरी की खबरों को खारिज किया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया में आई उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया है कि डिजाइन मंजूरी संबंधी मुद्दों के कारण वंदे भारत शयनयान ट्रेनों की विनिर्माण प्रक्रिया शुरू होने में देरी हो रही है। वैष्णव ने बृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इन ट्रेनों के निर्माण के लिए जिस रूसी कंपनी को चुना गया, उसके लिए डिजाइन कभी कोई मुद्दा नहीं है। इससे पहले, मीडिया के एक वर्ग ने रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग (टीएमएच) के अधिकारियों के हवाले से खबर दी थी कि भारतीय रेल ने ट्रेन में शौचालय और पेंट्री कार की मांग की है, जिसके लिए ट्रेन के डिजाइन में बदलाव करना जरूरी हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने डिजाइन में बदलाव के संबंध में रेल मंत्रालय की चिंताओं को दूर किया और मंजूरी के लिए इसे मंत्रालय के पास भेजा, लेकिन मंत्रालय ने अभी तक अपनी सहमति नहीं दी है। अनुबंध के अनुसार, कंपनी को 1,920 शयनयान डब्बा कोच बनाने हैं।

निचली अदालत न ले कोई एक्शन

लिफाफे में सीलबंद रखा जाए सर्वे रिपोर्ट, संभल केस में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया कि जब तक संभल मस्जिद की शाही ईदगाह कमेटी हाईकोर्ट नहीं जाती, तब तक मामले को आगे न बढ़ाया जाए। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को अपने समक्ष लंबित रखा और मामले को 6 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए पोस्ट किया। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संभल में शांति और सद्भाव कायम रखा जाए. SC ने एक आदेश पारित कर मस्जिद कमेटी को हाई कोर्ट जाने और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि कमिश्नर को अपनी रिपोर्ट सीलबंद कवर में दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि वह मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रहा है। SC ने उनसे (मस्जिद समिति से) आदेश को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती देने के लिए कहा है और इसे दायर किया गया है और इसे 3 कार्य दिवसों में HC के समक्ष सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर सीमित रोक है। इससे पहले संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि समाजवादी पार्टी मांग कर रही है कि जांच समिति में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को शामिल किया जाए।

सपा नेता ने कहा कि हमने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वे को लेकर जो मामला जिला अदालत में है, उसे रोका जाए और मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में की जाए। पूजा स्थल अधिनियम का सही उपयोग होना चाहिए। अब अजमेर दरगाह को लेकर भी याचिका दायर की गई है। ये सब कब रुकेगा?...कुछ चुनिंदा लोगों को माहौल बिगाड़ने का मौका क्यों दिया जा रहा है? आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से बहुत उम्मीदें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने लगातार उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार के गलत कामों को रोकने का काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर शाह, नड्डा के साथ सकारात्मक चर्चा हुई: शिंदे

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

मुंबई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे.पी. नड्डा के साथ उनकी अच्छी और सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर फैसला राज्य की राजधानी में महायुति गठबंधन की एक अन्य बैठक में लिया जाएगा। शिंदे ने निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बृहस्पतिवार देर रात शाह तथा नड्डा से मुलाकात की तथा महाराष्ट्र में अगली सरकार के लिए सत्ता साझेदारी सहमति पर बातचीत की।

वक्फ बिल मुसलमानों पर हमला, ममता का केंद्र पर निशाना

राजनीतिक कारणों से इसे लाया गया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक देश के संघीय ढांचे पर हमला है। उन्होंने दावा किया कि यह बिल मुसलमानों के अधिकार छीन लेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने इस बिल पर हमसे सलाह नहीं ली। यह बिल मुसलमानों पर हमला है और हम इसका समर्थन नहीं करते। हम इसका विरोध करेंगे। गैर-मुसलमानों सहित विभिन्न समुदाय वक्फ संपत्तियों के लिए दान देते हैं और धन का उपयोग कल्याण और विकासात्मक कार्यों, जैसे स्कूल स्थापित करना, घर बनाना, छात्रवृत्ति देना आदि के लिए किया जाता है।

ममता ने साफ तौर पर कहा कि वक्फ विधेयक से मुसलमानों के अधिकार छीन लिए जाएंगे। मुझे ऐसा लगता है (बिल) राजनीतिक कारणों से किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी धर्म पर हमला हुआ तो वह पूरे दिल से इसकी निंदा करेंगी। विपक्षी दलों ने मौजूदा वक्फ अधिनियम में विधेयक द्वारा प्रस्तावित संशोधनों की कड़ी आलोचना की है तथा आरोप लगाया है कि ये संशोधन मुसलमानों के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि संशोधन से वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और वे जवाबदेह बनेंगे। इस विवादास्पद विधेयक की जांच के लिए एक संसदीय समिति गठित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ मामलों को ब्रिटिश काल में 1934 में एक अधिनियम के तहत लाया गया था और आजादी के बाद इसमें संशोधन किया गया तथा 1995 में एक और संशोधन किया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आठ अगस्त 2024 को लोकसभा में विधेयक पेश किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य इसमें संशोधन करना था। मेरा मानना है कि अगर यह कानून बन गया तो वक्फ खत्म हो जाएगा। केंद्र को इस मामले पर राज्यों से बात करनी चाहिए थी, क्योंकि केंद्रीय वक्फ बोर्ड की तरह राज्य निकाय भी है। और यह एक अर्ध-न्यायिक निकाय है।

सांसदों और संसद को लेकर चिंतित है जनता, चाहती है सदन चले: बिरला

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच शुक्रवार को कहा कि देश की जनता सांसदों एवं संसद के बारे में चिंतित है तथा वह चाहती है कि सदन की कार्यवाही चले। उन्होंने यह टिप्पणी प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों से सदन की बैठक चलने देने की अपील करते हुए की। बिरला ने इस दौरान नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, देश की जनता चाहती है कि सदन चले। कई माननीय विद्वानों ने लिखा है कि संसद चलनी चाहिए, चर्चा-संवाद होना चाहिए। सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है। उनका कहना था, मैं आग्रह करता हूं कि जनता की भावनाओं और उनकी आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुसार, आप सदन चलाने में सहयोग करें। आज स्वास्थ्य एवं महिलाओं पर प्रश्नकाल में चर्चा हो रही है। प्रश्नकाल आपका समय है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की जनता सांसदों और संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है और आप सदन चलने दें। बिरला ने विपक्षी सांसदों से कहा, आप अपने स्थान पर जाएं, आपको हर विषय पर नियम-प्रक्रियाओं के तहत चर्चा करने का पर्याप्त अवसर दूंगा।

केंद्र सरकार से नहीं संभल रही दिल्ली की कानून व्यवस्था

केजरीवाल बोले- आज हर कोई डरा हुआ है

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी आलोचना की और उस पर दिल्ली को 'गैंगस्टरों' द्वारा शासन करने की अनुमति देने का आरोप लगाया। दिल्ली विधानसभा में आप विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है, खासकर 2019 के बाद से जब अमित शाह गृह मंत्री बने। वह दिल्ली को संभाल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हत्या की घटनाएं अक्सर हो रही हैं।

केजरीवाल ने कहा कि लोगों को रंगदारी के लिए फोन आ रहे हैं। खुलेआम गैंगवार और गोलीबारी हो रही है। जो हमने फिल्मों में देखा वो आज दिल्ली में हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में अपहरण हो रहे हैं। महिलाओं का अपहरण, बलात्कार और हत्या कर दी जाती है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कहर बरपाया है। लॉरेंस बिश्नोई खुद साबरमती जेल में बंद हैं जो बीजेपी शासित राज्य गुजरात में स्थित है। उन्होंने सवाल किया कि वहां की जेल से वह दिल्ली में रंगदारी का रैकेट कैसे चला रहा है?

इससे पहले दिल्ली विधानसभा के पांच साल के कार्यकाल के अंतिम सत्र के पहले दिन शुक्रवार को बस मार्शलों को हटाने के मुद्दे पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि मार्शलों को बहाल करने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास लंबित है। इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेते हुए आतिशी ने कहा कि अगर उपराज्यपाल वी के सक्सेना 10,000 बस मार्शलों की बहाली के प्रस्ताव को मंजूरी देने के लिए राजी हो जाएं तो आम आदमी पार्टी (आप) रोहिणी विधानसभा सीट से विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता के खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

हल्के-फुल्के अंदाज में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि गुप्ता प्रस्ताव उपराज्यपाल से स्वीकृत करा देते हैं तो वह चुनाव में उनके लिए प्रचार करेंगी।

प्रियंका गांधी ने विपक्षी सदस्यों के साथ दिखाई एकजुटता

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने के एक दिन बाद शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सदन पहुंची और विपक्षी सदस्यों के साथ एकजुटता दिखाते हुए उनके साथ प्रदर्शन में शामिल हुईं। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने सदन में तब प्रवेश किया जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित कई विपक्षी सदस्य संभल हिंसा और अन्य मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

प्रियंका गांधी उनके साथ एकजुटता दिखाते हुए अपनी सीट के पास खड़ी रहीं। विरोध के बीच उन्होंने विपक्षी दलों के सांसदों से मुलाकात भी की और उनका अभिवादन किया। जैसे ही वह अन्य सदस्यों से मिलने के लिए विपक्षी खेमे की अग्रिम पंक्ति के करीब गईं, द्रमुक सांसद कनिमोई को उन्हें अपने साथ बैठने का इशारा करते देखा गया।

प्रियंका ने कुछ देर कनिमोई से बातचीत के बाद अन्य सदस्यों का अभिवादन किया। सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों के सदस्यों के साथ बातचीत करते देखा गया।

हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार पर विदेश मंत्रालय सख्त

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें बांग्लादेश सरकार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर दृढ़ता से अपना विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि भारत ने लगातार और दृढ़ता से बांग्लादेश सरकार के साथ हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर खतरों और लक्षित हमलों को उठाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। हम चरमपंथी बयानबाजी के बढ़ने से चिंतित हैं।

जयसवाल ने कहा कि हिंसा और उकसावे की बढ़ती घटनाओं को केवल मीडिया की अतिशयोक्ति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। हम बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आह्वान करते हैं। बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और कारावास की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस्कॉन को सामाजिक सेवा के मजबूत रिकॉर्ड के साथ विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संगठन के रूप में देखते हैं। जहां तक चिन्मय दास की गिरफ्तारी का सवाल है, हमने उस पर अपना बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों के खिलाफ मामले और कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन प्रक्रियाओं को निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा, जिससे इन व्यक्तियों और सभी संबंधित लोगों के लिए पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किया जा सके।

रणधीर जयसवाल ने साफ तौर पर कहा कि जहां तक बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की स्थिति का सवाल है, हमने विरोध को स्पष्ट कर दिया है। हमने बांग्लादेश के साथ यह मामला उठाया है कि उन्हें अल्पसंख्यकों की रक्षा करने और उनके हितों की रक्षा करने, उनकी सुरक्षा और सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। भारत से बांग्लादेश को वस्तुओं की आपूर्ति पर उन्होंने कहा कि भारत से बांग्लादेश को वस्तुओं की आपूर्ति जारी है। और इसी तरह, बांग्लादेश और भारत के बीच दोनों दिशाओं में व्यापार जारी है।

संक्षेप

युवक की पिटाई के दो आरोपियो पर मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के रानी सुभद्राखेड़ा निवासी मुकेश कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया 24नवम्बर को रंजिश के चलते बाला मिश्रा निवासी सिसेंडी व ललित उर्फ लल्लू निवासी रानी सुभद्राखेड़ा ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर हाथ तोड़ दिया ओर पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी ।इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर पर दो आरोपियों पर मारपीट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

बाइक की टक्कर से महिला हेड कांस्टेबल घायल

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के जैतीखेड़ा में स्थित भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के क्षेत्रीय मुख्यालय में तैनात महिला हेड कांस्टेबल पूजा पटेल ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया 25नवम्बर को वो लखनऊ से अपनी स्कूटी से क्षेत्रीय मुख्यालय में ड्यूटी पर जा रही थी तभी जगंलीखेड़ा मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी ।दुर्घटना में स्कूटी क्षतिग्रस्त होने के साथ ही महिला हेड कांस्टेबल को गम्भीर चोटे आयी ।इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात बाइक व चालक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

जनसुनवाई के दौरान डीएम ने सुनी जनसमस्याएं

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिलाधिकारी निशा अनंत ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निषाद पार्टी द्वारा आयोजित "संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा" 30 नवंबर से 01 दिसंबर तक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल ह्लनिषाद पार्टीह्व के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संजय कुमार निषाद द्वारा मछुआ समाज समेत अन्य वंचित और शोषित जातियो को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की लिए " संवैधानिक अधिकार रथयात्रा " निकालने का आह्वान किया गया है ।

उन्होंने बताया की यह यात्रा उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से होते हुए दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में समापन की जाएगी, साथ ही यात्रा प्रदेश के 18 मण्डल को 03 चरणों में पूर्ण की जाएगी और प्रदेश की 200 मछुआ समाज बाहुल्य सीट जहां पर 25 हजार से 01 लाख तक की आबादी है, उन विधानसभा में प्रमुखता से यात्रा को निकाला जायेगा।

निषाद ने रथ यात्रा के संकल्प को लेकर कहा कि दिल्ली और लखनऊ से बैठकर कभी भी विकास की मुख्यधारा से पिछड़ी जातियो का उत्थान नहीं किया जा सकता है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में इससे पूर्व भी वो उत्तर प्रदेश के 50 जनपद का भ्रमण किया था, जिसके अंतर्गत उन्होंने सरकारी योजनों के लाभ को आम जन, गरीब, पिछड़े तबके को प्राथमिकता पर देने के निर्देश भी दिये थे।

संजय निषाद ने रथ यात्रा निकालने की संकल्पना को लेकर बताया कि प्रदेश के निषाद, कश्यप समेत अन्य 17 पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिया बनाई थी, क्योंकि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा प्रदेश की निषाद, केवट, मल्लाह, बिंद, कश्यप समेत अन्य जातियों के साथ भेदभाव किया गया था, प्रदेश में निषाद समाज की दिशा-दशा अनुसूचित जातियों से भी बदतर थी, और पूर्ववर्ती सरकारों ने अपने समाज की जातियों को खुश करने के लिए निषाद समाज को फुटबॉल समझकर मछुआ समय को अनुसूचितजाति में होने का बाद भी कभी अनुसूचित जाति को मिलने वाले से वंचित रखा गया है और ऐसे में निषाद पार्टी के गठन से बाद से उत्तर प्रदेश की बहुसंख्यक आबादी को निषाद पार्टी के बैनर तले लामबंद करके, केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ मछुआ समय को दिलवाने के लिए किया रहा है। इस रथ यात्रा के माध्यम से कश्यप-निषाद-मछुआ बाहुल्य ग्राम समाज को जोड़ने का काम किया जायेगा, साथ ही मत्स्य विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभ भी दिया जाएगा।

प्रथम दिवस संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा कार्यक्रम 30 नवम्बर 2024 को स्थान- माँ शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ, सहारनपुर से नकुड तक , बड़वाला ग्राम सभा में त्रजनसभात्न से बेहट से गंदेवड से सढ़ौली-हथौली से तोड़रपुर से पथेड़ से चिलकाना से साल्हापुर से सारसवाँत्रकश्यप समाज धर्मशाला में सभात्न से नकुड़ रात्रि यात्रा विश्राम । द्वितीय दिवस संवैधानिक अधिकार रथ यात्रा कार्यक्रम 01, दिसंबर 2024 स्थान- नकुड से यात्रा जनपद मुजफ़्फरनगर के लिये प्रस्थान करेगी

समय- प्रातः 09 बजे ।

जेसीबी चालक की लापरवाही से नाले के अंदर काम कर रहा मजदूर घायल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में शुक्रवार को कानपुर रोड किनारे निमार्णाधीन गहरे नाले के अंदर काम कर रहा मजदूर जेसीबी चालक की लापरवाही से मिट्टी में दबाकर बुरी तरह घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे लोक बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत चिंता जनक बनी हुई है। मालूम हो कि सरोजनीनगर में लंबे समय से कानपुर एलिवेटेड रोड का निर्माण का कार्य चल रहा है। पीएनसी कंपनी द्वारा एलिवेटेड रोड के साथ कानपुर रोड के किनारे काफी गहरा नाला बनाया जा रहा है। बताते हैं कि 2 दिन पहले बुधवार को यहां गौरी बाजार के पास बने नाले को ढकने के लिए उसके ऊपर पत्थर की ढलाई की गई थी। यहाँ काम कर रहे मजदूरों के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे 4 मजदूर इस नाले में घुसकर उसकी सफाई कर रहे थे। तभी पीएनसी कंपनी के डंपर द्वारा डाला गया मलबा बराबर करते समय जेसीबी मशीन से दो दिन पहले ढलाई कर रखा गया पत्थर टूट कर नाले के अंदर काम कर रहे एक मजदूर के ऊपर जा गिरा। साथ ही ढेर सारी मिट्टी भी उसी के ऊपर गिर गई। जिससे फिरोजाबाद जिले के जसराना थाना अंतर्गत सेवरा गांव निवासी मजदूर अरविंद कुमार (35) उसमें दबकर बुरी तरह घायल हो गया। वहां चीख पुकार मच गई। आनन फानन जेसीबी मशीन से मिट्टी हटाकर मजदूर को गंभीर अवस्था में बाहर निकाला गया। इसके बाद एंबुलेंस बुलाकर उसे इलाज के लिए लोक बंधु अस्पताल भेज गया मगर वहां भी चिकित्सा ने हालत गंभीर देख उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया जहाँ मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है।

बारातियों से भरी स्कॉर्पियो खड़े ट्रक से टकराई

तीन की मौत, 6 घायल, सुल्तानपुर से अमेठी आई थी बारात

अमन लेखनी समाचार

अमेठी । अमेठी में देर रात सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में स्कार्पियो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में घायल एक व्यक्ति के मौत की सूचना है। स्कॉर्पियो सवार सभी लोग सुल्तानपुर जिले से अमेठी में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे।

पूरा मामला गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के टाण्डा-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित स्टेट बैंक के सामने का है, जहां देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से स्थिति गंभीर देख सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया ।बारात सुल्तानपुर जिले के करौंदीकला थाना क्षेत्र के दरगापारा बबुआन गांव से गौरीगंज के विशुनदास पुर गांव आई थी, जिसमें शामिल होने के लिए स्कार्पियो यूपी 32 ठश 6508 सवार बारातियों से भरी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार सभी सात लोग घायल हो गए ।घायलों में बंटू सिंह पुत्र रिंकू सिंह, रूपक पुत्र बडालाल, ऋषभ सिंह पुत्र शैलेन्द्र, देव पुत्र दीपक, पप्पू सिंह पुत्र तीरनाथ, प्रदीप सिंह पुत्र तेज सिंह उम्र करीब 26 वर्ष, लक्ष्य प्रताप सिंह पुत्र दीपक सिंह उम्र करीब 14 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। गौरीगंज एसएचओ श्यामनारायण पांडेय ने कहा कि सभी घायल रात में ही सुल्तानपुर जिला अस्पताल चले गए था, जहां 24 वर्षीय पप्पू सिंह की मौत की सूचना मिल रही है।

प्रसव पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं की गुणवत्ता व सुदृढ़ीकरण पर दिए जरूरी टिप्स

लोकबंधु चिकित्सालय में पीएसआई–इंडिया के सहयोग से होल साइट ओरिएंटेशन कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लोकबन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय में शुक्रवार को पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से एकदिवसीय होल साइट ओरिएंटेशन (डब्ल्यूएसओ) कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रसव पश्चात व गर्भ समापन पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण व गुणवत्तापूर्ण बनाने के बारे में स्वास्थ्य कार्यकताओं को जरूरी टिप्स दिए गए। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ, स्टाफ नर्स, वार्ड आया आदि ने भाग लिया। महिला चिकित्सकों ने प्रसव पश्चात गर्भनिरोधक साधनों व हेल्थ मैनेजमेंट एंड इन्फोर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर भी विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक- लोकबन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय डॉ. सुरेश चंद्रा ने कहा कि अस्पताल में प्रसव पश्चात और गर्भ समापन पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण बनाने के साथ ही उसका विवरण एचआईएमएस पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। प्रसव पूर्व जांच को आने वाली महिलाओं की परिवार नियोजन साधनों के बारे में कांसिलिंग सुनिश्चित की जाए। मां और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी परिवार नियोजन साधनों को अपनाना बहुत जरूरी है। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भी कमी लायी जा सकती है।

बैठक में पीएसआई-इंडिया के मैनेजर प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन अनिल द्विवेदी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने प्रसव पश्चात और गर्भ समापन पश्चात परिवार कल्याण सेवाओं के बारे में चर्चा करने के साथ ही चिकित्सालयों में प्रदान की जाने वाली प्रसव पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं की मासिक रिपोर्ट एचएमआईएस पोर्टल पर निश्चित रूप से अपलोड करने की अपेक्षा की। बैठक में चिकित्सकों और स्टाफ से कहा गया कि वह हर माह की 21 से 20 तारीख तक प्रसव संबंधी सेवाओं, परिवार कल्याण कार्यक्रम, मातृ एवं शिशु जन्म रिपोर्ट अनिवार्य रूप से कार्यालय भेजें और रिपोर्ट भारत सरकार के एचएमआईएस पोर्टल पर अपलोड करें। हॉस्पिटल मैनेजर धनंजय ने रिकॉर्ड कीपिंग पर सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर बाल रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरुण तिवारी ने कहा कि परिवार कल्याण सेवाओं को प्रदान करने की रिपोर्ट समय से एचएमआईएस पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। तकनीकी सत्र को मेडिकल ऑफिसर सेवा सदन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की डॉ. ए. रिजवी ने संबोधित किया और परिवार नियोजन के साथ ही प्रसव पश्चात परिवार नियोजन के बारे में लोगों को प्रशिक्षित किया। बैठक में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. चन्द्रकला, एचएमआईएस ऑपरेटर व पीएसआई इंडिया से अनिल द्विवेदी, मनोज कुमार व प्रवीण कुमार आदि उपस्थित रहे।

पार्षद ने इंटरलॉकिंग रोड और पक्की नाली निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। नगर निगम अंतर्गत सरोजनीनगर द्वितीय वार्ड के पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट ने शुक्रवार को अपने वार्ड में इंटरलॉकिंग रोड और पक्की नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। पार्षद ने शिलान्यास का कार्य विधि विधान से पूजा पाठ कराने के साथ भाजपा बूथ अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा और इसरार अहमद से नारियल तुड़वाकर किया। पार्षद रामनरेश ने बताया कि वार्ड के अवध विहार कॉलोनी में जलीस खान के घर से जयराम यादव की मार्केट तक करीब 130 मीटर लंबे रास्ते में इंटरलॉकिंग सड़क और पक्की नाली का निर्माण कार्य नगर निगम निधि से 10 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से रास्ते पर प्रायः घरों से निकला गंदा पानी भरा रहता था। अवध विहार कॉलोनी का यह मुख्य रास्ता जलमग्न होने के कारण करीब 2000 लोग इस समस्या से प्रभावित रहते थे। लेकिन अब इस रास्ते को इंटरलॉकिंग सड़क में परिवर्तित होने के साथ ही उसके दोनों ओर पक्की नालियों का निर्माण हो जाने पर घरों का गंदा पानी रास्ते में फैल कर नहीं बहेगा। बल्कि जल निकासी के लिए बनी नालियों से ही निकल जाएगा। इसकी वजह से अब तक समस्या झेल रहे यहां के लोगों को पूरी तरह आने-जाने में राहत मिल सकेगी। पार्षद ने बताया कि यह कार्य विधायक राजेश्वर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के सहयोग से होने जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान भाजपा बूथ अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी, जयराम यादव, अभय द्विवेदी, उमाशंकर वर्मा, रामगोपाल रावत, फूलचंद गौतम, इसरार अहमद, कुलदीप वर्मा, अनिल दुबे, राजू सिंह, रियाज, आरएस त्यागी, जमाल अहमद, अमन त्रिवेदी, अमरुद्दीन खान, रामनरेश, फुरकान, नफीस, अयाज, अब्दुल सलाम खान, इजहार अली, रईस अहमद और मोहम्मद आसिफ सहित कॉलोनी के तमाम लोग मौजूद रहे। मौजूद लोगों ने उक्त शिलान्यास को लेकर पार्षद रामनरेश रावत का आभार प्रकट किया। कॉलोनी वासियों ने कहा कि कई वर्षों से रास्ते में हमेशा जल भराव बने रहने के कारण उन्हें आने-जाने में होने वाली समस्या से अब निजात मिल सकेगी। वहीं समस्या दूर होती देख खुश हुए कालोनी वासियों ने पार्षद और उनके साथ मौजूद लोगों को माला पहनाकर बधाई भी दी।

हिंसक जंगली जानवर के पगचिन्ह मिलने से ग्रामीणों में दहशत

अमन लेखनी समाचार

मिले पग चिन्हों की जांच करती वन विभाग टीम

लखनऊ:सर्दियां बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में हिंसक जानवरों का खतरा बढ़ने लगा है. किसी जंगली जानवर के पैरों के निशान भी देखे गए हैं. हालांकि अभी तक कोई जंगली जानवर दिखाई नहीं दिया है. वन विभाग टीम ने इलाके में काबिंग शुरू कर दी है।

माल थाना क्षेत्र के ग्राम रघुनाथपुर में शुक्रवार को मनोज त्रिपाठी के बाग/खेत में किसी हिंसक जंगली जानवर के पैरों के निशान मिलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं. किसान भयभीत होकर अपने खेतों तक भी नही पहुंच पा रहे।

मलिहाबाद वन रेंजर आलोक कुमार तिवारी का कहना है कि मिले पगमार्क किसी जंगली जानवर के हैं. जिसके लिए वन विभाग टीम ने जंगली जानवर की तलाश में इलाके में टीम बनाकर कांबिंग भी शुरू कर दी है। ग्रामीणों से अपील की है कि अकेले खेतों बागों पर जाने से बचें और समूह बनाकर ही खेतों पर जाएं और रात के समय में हाथ में मसाला या डंडा लेकर ही चलें और अपने-अपने मवेशी जानवरों को सुरक्षित स्थान पर बंधे। अगर किसी को भी कोई जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना वन विभाग या स्थानीय पुलिस को दें।

ईट भट्ठे पर बंधक बनाये गये मजदूरों को मुक्त कराकर ट्रेन से भेजा घर

मोहनलालगंज के जबरौली गांव के एक ईट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरो ने परिवार सहित बंधक बनाये जाने का आरोप लगाये हुये राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व अनुसूचित जाति आयोग से शिकायत

डीएम के आदेश के बाद नायाब तहसील ने श्रम विभाग व पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर मजदूरो व उनके परिवारो को मुक्त

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज क्षेत्र के जबरौली गांव में एलबीएफ ईट भट्ठे के मालिक ने 15दिनो तक 24 मजदूरो से परिवार सहित मजदूरी कराने के बाद पैसे मगांने पर बंधक बना लिया ओर मजदूरो समेत उनके परिवारो का बाहर निकलना बंद कर दिया ।किसी तरह पीड़ित मजदूरो ने चोरी छुपे अपने रिश्तदारो से फोन कर बंधक बनाये जाने की बात बताई जिसके बाद रिश्तेदारो ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व अनुसूचित जाति आयोग को पत्र लिखकर ईट भंट्ठे पर बंधक बनाये गये मजदूरो व उनके परिवारो को छुड़ाने की गुहार लगायी ।आयोग ने शिकायत को गम्भीर से लेते हुये डीएम व पुलिस कमिश्नर लखनऊ को तत्काल मजदूरो को बंधक मुक्त कराकर मजदूरी दिलाकर घर भिजवाने के आदेश दिये ।डीएम सूर्यपाल गंगवार ने एसडीएम मोहनलालगंज समेत श्रम विभाग की टीम को पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर मजदूरो को मुक्त कराकर घर भिजवाये जाने के आदेश दिये ।एसडीएम के आदेश पर शुक्रवार को नायाब तहसीलदार भानु प्रकाश त्रिपाठी ने श्रम विभाग व पुलिस टीम के साथ जबरौली स्थिति ईट भट्ठे पर पहुंचकर बंधक बनाये गये 10मजदूरो के परिवारो को मुक्त कराने के साथ ईट भट्ठा मालिक अजय कुमार से 15दिन की बकाया मजदूरी के 84हजार रुपए दिलाने के साथ वाहन की व्यवस्था कर मजदूर महबूब, तस्बबुर, रूरस्तम, सलमान, रिजवान, फरमान, जुबैर, भुरा, तमकीन, समीर निवासीगण मुरादाबाद समेत उनके परिवारो को चारबाग रेलवे स्टेशन ले जाकर ट्रेन से उनके घर मुरादाबाद भेजा। भट्ठा मालिक अजय कुमार ने बताया उसने ठेकेदार ईदरीश को मजदूरी का पैसा दे दिया था लेकिन उसने मजदूरो को पैसे नही दिये थे ।मजदूरी का पैसा हड़पने वाले ठेकेदार पर कार्यवाही के लिये पुलिस से शिकायत करेगा।

बेखौफ बदमाश ने झपट्टा मारकर महिला के गले में पड़ी सोने की चेन लूटी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में दो दिन पहले बेखौफ बदमाश ने झपट्टा मारकर एक महिला के गले में पड़ी सोने की चेन लूट ली। बाद में घटना अंजाम देकर अपने साथी के साथ बाइक से भाग निकला। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों का सुराग लगा रही है। पारा के राजाजीपुरम स्थित राम विहार कॉलोनी में रहने वाली शोभाराज पत्नी स्व. राजकुमार के मुताबिक 27 नवंबर की रात वह अपने रिश्तेदार रोहित जायसवाल के प्रीतिभोज समारोह में शामिल होने सरोजनीनगर के कानपुर रोड पर मन्नत लॉन आई थी। समारोह में शामिल होने के बाद रात करीब 11 बजे वह अपने बेटे सागर के साथ घर जाने के लिए लॉन से बाहर निकली। सागर गाड़ी लेने चला गया और शोभा राज वहीं खड़ी रही। तभी पीछे से पैदल पहुँचे एक युवक ने उसके गले में पड़ी सोने के चेन पर झपट्टा मारा और उसे लेकर भागने लगा। शोभा राज ने शोर मचाया तो शोर सुनकर सागर बदमाश को पकड़ने के लिए पीछे से दौड़ पड़ा। लेकिन तब तक कुछ दूरी पर पहले से मोटरसाइकिल स्टार्ट कर खड़े एक युवक के साथ वह बदमाश भाग निकला। घटना के बाद शोभाराज अपने बेटे के साथ घर चली गई। इसके बाद उन्होंने गुरुवार देर शाम सरोजनीनगर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चेन स्नेचिंग की घटना अंजाम देने वाले बदमाशों को पकड़ने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

छात्र को स्कूल प्रबंधक के बेटे ने पीटा: ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

कक्षा में पंखा चलाने को लेकर हुआ विवाद

अमन लेखनी समाचार

अमेठी के गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के पुराबगांव में आर्यन पब्लिक स्कूल में कक्षा 8 के छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। प्रबंधक के बेटे द्वारा मामूली बात पर छात्र की पिटाई से आहत परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश में आकर स्कूल के सामने सड़क पर जाम लगा दिया ।घटना शुक्रवार सुबह की है, जब प्रीतम (14), पुत्र राकेश विश्वकर्मा, स्कूल में पढ़ाई के लिए गया था। वहां किसी बात पर स्कूल प्रबंधक के बेटे संतोष ने उसे बुरी तरह पीट दिया। चोटिल प्रीतम घर पहुंचा और परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद गुस्साए परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में स्कूल के सामने इकट्ठा हो गए और सड़क पर जाम लगा दिया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली

जाम की सूचना पर गौरीगंज कोतवाली प्रभारी श्याम नारायण पांडेय तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों को समझाया और उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

पंखे को लेकर हुआ विवाद

प्रीतम के मुताबिक, "मैं स्कूल में पढ़ाई कर रहा था, तभी पंखे को लेकर संतोष ने मुझसे झगड़ा किया और बिना वजह मेरी पिटाई कर दी।" ग्रामीणों ने प्रबंधक के बेटे के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस ने छात्र के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी है। गौरीगंज एसएचओ श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि मामग्रामीणों में आक्रोश, कड़ी कार्रवाई की मांगले की गंभीरता को देखते हुए स्कूल प्रशासन से भी पूछताछ की जाएगी।

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही और मनमानी से छात्र-छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। अगर दोषी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े आंदोलन की चेतावनी दे रहे हैं। स्थानीय पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

प्लाटिंग कम्पनी के मालिक पर पैसे हड़पने व धोखाधड़ी की धाराओ में मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज ।गोरखपुर जनपद के शास्त्री नगर निवासी अशोक कुमार शुक्ल ने डीसीपी दक्षिणी केशव कुमार से शिकायत करते हुये बताया था 2014 में एक्में इंफ्रास्ट्रक्कर इंण्डिया लिमिटेड प्लाटिंग कम्पनी की ग्राम सिर्स में हाइवे किनारे स्थित एक्में रेजिंडेसी साइड पर 2400वर्गफीट प्लाट कम्पनी के मालिक राहुल श्रीवास्तव से एग्रीमेंट कराया था,जिसके बाद चार सालो में प्लाट का पूरा पेमेंट राहुल श्रीवास्तव के खाते में कर दिया था जिसके बाद प्लाटिंग कम्पनी के मालिक ने चार साल तक रजिस्ट्री नही की ।पुलिस अफसरो से शिकायत के बाद 9जून2022 को 2400वर्गफीट प्लाट की रजिस्ट्री कर दी लेकिन ढाई साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी प्लाट पर कब्जा नही दिया ।कब्जा देने की बात कहने पर टालमटोल करते है ।डीसीपी ने पीड़ित की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये मोहनलालगंज पुलिस से जांच कर कार्यवाही के लिये रिपोट मांगी थी ।जांच में शिकायत सही पाये जाने पर डीसीपी ने मोहनलालगंज पुलिस को प्लाटिंग कम्पनी के मालिक पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दिये थे ।इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर प्लाटिंग कम्पनी के मालिक राहुल श्रीवास्तव पर पैसे हड़पने व धोखाधड़ी की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

संक्षेप

शराब ठेके के पास पड़ा मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र फरहदपुर गांव में देसी शराब ठेका के पास विनोद 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय दल्लू रावत निवासी भवानी खेड़ा का शव देर शाम 6 बजे पड़ा मिला ,पड़ोस के दुकानदारों ने शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी ,मृतक दारू काआदी था, मृतक दो भाई में छोटा था बड़ा भाई मुनेश्वर अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता है , मां दिलवल गांव में अपनी बेटी के वहा रहती है, मृतक की शादी नहीं हुई थी गांव में ही मजदूरी करता था ।कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि मृतक का शव पड़ा मिला था घर में कोई रहता नहीं है, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

गौशाला में हो रहे निर्माण का सीडीओ ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।विकास खंड बिछिया क्षेत्र के तौरा गांव में 1.60 करोड़ रुपये की लागत से बन रही गौशाला में निर्माण कार्य की अनियमितताओं और गड़बड़ियों की शिकायतों पर सीडीओ प्रेमप्रकाश मीणा ने मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए।शटरिंग और चरही निर्माण अधोमानक पाए गए, साथ ही स्थल चयन में खामियां भी सामने आईं ।सीडीओ मीणा ने निरीक्षण के दौरान पाया कि गौशाला के निर्माण स्थल पर पानी भरने की समस्या है, जिससे निर्माण की स्थिरता पर असर पड़ सकता है।इसके समाधान के लिए उन्होंने नरेगा योजना के तहत मिट्टी भराव कराने के निर्देश दिए।गौशाला के लिए बनाए जा रहे चरही और शटरिंग को सीडीओ ने मानकों के विपरीत बताया। उन्होंने इसे तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सोलर पैनल लगाने का काम भी अधूरा है, जो कि ऊर्जा बचत के लिए एक महत्वपूर्ण योजना थी। गौशाला तक पहुंचने के लिए बनी सड़क भी खराब स्थिति में पाई गई। इस पर खड़ंजा डालने और सड़क को पक्की करने के निर्देश दिए गए ।यह सड़क गौशाला को मुख्य मार्ग से जोड़ती है और इसकी मरम्मत को प्राथमिकता देने को कहा गया। सीडीओ मीणा ने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि एक से डेढ़ महीने में सभी खामियों को दूर किया जाए।जनवरी तक गौशाला का कार्य पूरा कर इसे चालू स्थिति में लाया जाए। इस गौशाला का उद्देश्य क्षेत्र में पशुपालन को बढ़ावा देना है।सीडीओ ने कहा कि निर्माण की अनियमितताओं को समय रहते दुरुस्त कर इसे जल्द चालू किया जाएगा, जिससे किसानों और पशुपालकों को लाभ मिल सके।

कृषि सूचनातंत्र के सुद्दृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। ब्लाक गंजमुरादाबाद में कृषि सूचनातंत्र के सुद्दृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का क्षेत्रीय विधायक श्रीकान्त कटियार ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

क्षेत्रीय विधायक श्रीकान्त कटियार ने किसानो को सरसों की किट वितरित करके उन्हें सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार व उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानो के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिसका लाभ आप लोग अपने नजदीकी कृषि केन्द्र पर जाकर पा सकते हैं। किसान अन्नदाता ही नहीं बल्कि भारत का भाग्य विधाता भी है ।सरकार अनुदान पर सोलर पम्प,कृषि यंत्र,इंजन,बीज उपलब्ध करा रही है ।सरकार का केवल एक ही उद्देश्य है वह है किसानो की आमदनी को दोगुना करना। किसान सम्मान निधि योजना से केवल उत्तर प्रदेश के 2 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे है।प्रतिवर्ष सरकार फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी करके किसानों की आय बढ़ाने में सहयोग कर रही है।

इस अवसर पर कृषि बीज भण्डार प्रभारी देवी सिंह, एडीओ कृषि शरीफ, एडीओ पंचायत राकेश कुमार, मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सिंह,अजय तिवारी,कैलाश शुक्ला सहित किसान उपस्थित रहे।

पैतृक गांव में मनाई गई 119 वी जयंती

सुमेरपुर, उन्नाव।हम भी न रहेंगे बन्धु तुम भी न रहोगे ,कहने को केवल कहानी रह जाएगी । जैसी कालजयी रचनाए देने वाले कवि एवं साहित्यकार नवीन की 119 वीं जयंती आज उनके पैतृक गांव मे धूमधाम से मनाई जाएगी ।तहसील बीघापुर क्षेत्र के नैकामऊ में जन्मे कवि एवं साहित्यकार की 119 वी जयंती उनके गांव मे मनाई जाएगी । पंडित मनीराम द्विवेदी का जन्म 30 नवम्बर 1905 को नैकामऊ ग्राम मे पं हरि नारायण द्विवेदी के यहां हुआ था । नवीन ने अपने जीवन काल मे कई पुस्तके लिख कर साहित्य मे योगदान दिया ।उनकी प्रमुख पुस्तकों मे नवीन बीन, नवीन गुलछर्रे , नवीन चिनगारी , नवीन बापू गौरव,नवीन कीर्तन,नवीन पंचामृत ,नवीन रणभेदी ,भक्ति सरोवर ,नवीन फाग संग्रह, नवीन विप्लव, नवीन शिव विनय आदि रही ।नवीन जयंती के अवसर पर साहित्यकारों का जमावड़ा लगेगा । इस अवसर पर नवगीतकार डां विनय भदौरिया को नवीन स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा ।

ओटीएस के तहत दी जाएगी टैक्स में छूट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वाहन स्वामियों के लिए बड़ी राहत की खबर है।उप संभागीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ) ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू कर दी है। इस योजना के तहत, जिन वाहन मालिकों का टैक्स बकाया है, वे शत-प्रतिशत जुमार्ने से राहत पा सकते हैं।योजना की शुरूआत 6 नवंबर से हुई है, और इसे 5 फरवरी 2025 तक लागू किया गया है ।एआरटीओ प्रशासन श्वेता वर्मा ने बताया कि योजना का उद्देश्य बकाया टैक्स की वसूली में तेजी लाना और वाहन मालिकों को राहत देना है।अब तक 70 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें 18 लाख रुपये का बकाया जमा किया जा चुका है ।यह योजना विशेष रूप से हल्के वाहन (7500 किलोग्राम सकल वजन तक) और तिपहिया वाहन मालिकों के लिए वरदान साबित होगी।हालांकि उनका टैक्स बकाया 6 नवंबर 2023 से पहले का होना चाहिए।हल्के वाहनों के लिए आवेदन शुल्क 200 रुपए और भारी वाहनों के लिए 500 रुपए निर्धारित किया गया है ।परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पुराने बकाया टैक्स पर लगे जुमार्ने को पूरी तरह माफ कर दिया जाएगा। लेकिन वाहन मालिकों को बकाया टैक्स का भुगतान 5 फरवरी 2025 से पहले करना होगा ।आवेदन की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। आवेदन शुल्क जमा करने के बाद, टैक्स भुगतान कर जुमार्ने से पूरी तरह छुटकारा मिल सकता है। अंतिम तिथि के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। एआरटीओ श्वेता वर्मा ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे समय पर इस योजना का लाभ उठाएं।विभाग ने योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जिले स्तर पर सूचना जारी की है। उन्होंने कहा, ₹यह एक सुनहरा मौका है।टैक्स का बकाया चुकाकर जुमार्ने से राहत पाएं और बेफिक्र होकर अपने वाहनों का उपयोग करें।

दबंग ने किया दलित विधवा की जमीन पर कब्जा पीड़िता ने सीओ से लगाई न्याय की गुहार

बांगरमऊ, उन्नाव। दबंगों ने एक दलित महिला की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। अब दबंगों द्वारा फर्जी शिकायती पत्र देकर पुलिस के जरिए महिला को प्रताड़ित कराने का कुचक्र रचा जा रहा है।पीड़िता ने पुलिस क्षेत्राधिकारी से दबंगों के खिलाफ कार्यवाही की मांग उठाई है। कोतवाली बांगरमऊ के गांव सुल्तानपुर हाल निवास ग्राम रबड़ी की गुड़िया पत्नी श्यामू ने क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ को शिकायती पत्र देकर कहा है कि वह दलित है और अपनी विधवा मां के साथ रहती है।गांव के ही निवासी पिछड़ी जाति के दबंग लोगों ने उसकी मां के नाम की 5 बिस्वा भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है। अब दबंगों द्वारा उसके विरुद्ध गंजमुरादाबाद पुलिस चौकी में फर्जी और झूठा शिकायती पत्र देकर उसे प्रताड़ित कराया जा रहा है।महिला का आरोप है कि अवैध कब्जेदार उसे भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मार डालने की धमकी भी दे रहे हैं।पीड़िता ने सीओ से अवैध कब्जेदारों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव।कोतवाली क्षेत्र के पिछवाड़ा गांव निवासी विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटकर जीवन लीला समाप्त कर ली सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है। कोतवाली क्षेत्र के पिछवाड़ा गांव निवासी प्रकाश रावत की पत्नी शांति रावत ने शुक्रवार देर रात घर के अंदर कमरे संदिग्ध परिस्थितियों में खुद की साड़ी से लटकर जान दे दी मजदूरी कर वापस लौटे पति ने कमरे में पत्नी का शव लटका देख पुलिस को सूचना दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पीएम के लिए भेजा है ।मृतक की चार वर्ष पहले ही शादी हुई थी कोई भी संतान नहीं है।

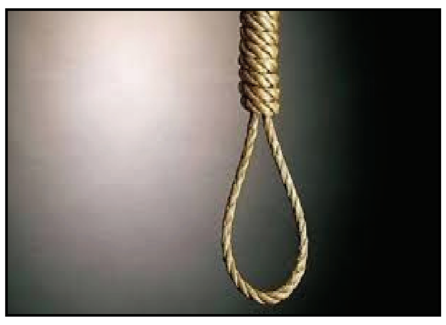

इस संबंध में कोतवाल चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से विवाहिता का शव लटका मिला है पीएम के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

भूमि की पैमाईश के लिए दो साल से लेखपाल के पास पीड़िता लगा रही चक्कर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव।तहसील क्षेत्र अंतर्गत हाफिजाबाद गांव में एक परिवार की चार बहनों की पुश्तैनी जमीन है.जिस पर कई वर्षों से महुवाई निवासी एक दबंग ने जबरन कब्जा कर रखा है.पीड़ित परिवार लगातार दो साल से लेखपाल के यहां चक्कर लगाने को मजबूर हैं.लेखपाल के यहां से सिर्फ आश्वाशन मिलता है आज नहीं तो कल जमीन पैमाईश हो जाएगी. जमीन पैमाइश के नाम पर 2 साल बीत चुके है.पर आज तक लेखपाल का आज या कल नहीं हो पाया है. उधर पीड़ित परिवार लगातार लेखपाल के चक्कर लगाने को विवश है. और दबंग द्वारा लगातार पीड़ित परिवार की महिलाओं को धमकी दी जा रही है. बड़ा सवाल यह है कि सूबे

के मुखिया योगी आदित्यनाथ के शक्त निर्देश के बावजूद आज तक पीड़ितों की जमीन की पैमाइश तक नहीं हो सकी है जिस पर लेखपाल की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े होते हैं. दरअसल बांगरमऊ के कस्बा मुहल्ला नसीमगंज निवासी मोमिना पत्नी अली शेर अपनी बहनों के साथ आज शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे एसडीएम दफ्तर पहुंची.ओर अपनी परेशानी को बताया जिसके बाद एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द निस्तारण कराने का आश्वाशन दिया है।

गैर प्रांत से घर जाने को निकला युवक हुआ लापता

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। महाराष्ट्र से घर आने के लिए ट्रेन से निकला युवक रहस्यमय ढंग से रास्ते से लापता हो गया दो महीने गुजर जाने के बाद भी उसका कही सुराग नहीं चल सका दर दर भटक रही मां ने बांगरमऊ पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। बांगरमऊ के गांव ठकुरिया पुरवा निवासी कलावती पत्नी रामोतार ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि उसका 22 वर्षीय पुत्र विकास पुणे शहर में मजदूरी करता था जो बीते 19 सितंबर को ट्रेन में बैठकर घर आने के लिए निकला इस दौरान 20 सितम्बर की शाम को फोन से परिजनों की बात हुई तो उसने 12 बजे रात तक कानपुर सेंट्रल पहुंचने की बात बताई जिसके बाद उसका फोन बंद हो गया तथा उसका कोई सुराग नहीं चल सका पीड़ित परिजन उसकी खोज में इधर उधर भटक रहे है इसी क्रम में युवक की मां ने एक बार पुनः बांगरमऊ पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

पीएम के बाद शव को मार्ग पर रखकर किया हंगामा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।पुरवा कोतवाली क्षेत्र के बैगांव मंगतखेड़ा मार्ग पर मंगतखेड़ा कस्बे के पास गुरुवार को ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार संविदा लाइनमैन की मौत हो गई। जबकि बाइक पर बैठे दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है ।वहीं ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर सहित मौके से भाग गया था।शुक्रवार को शव पीएम से मिलने के बाद परिजनों ने पुरवा मंगतखेड़ा मार्ग पर रख हंगामा काटना शुरू कर दिया। एसडीएम पुरवा समेत पुलिस बल मौके पर पहुंचा और मदद का आश्वासन देकर वार्ता की ।कोतवाली क्षेत्र के पौंगहा निवासी कमलेश का 24 वर्षीय बेटा अंकित विद्युत विभाग पुरवा में संविदा लाइनमैन के पद पर तैनात था।वह अपनी बाइक से अपने साथी संविदा लाइनमैन जगरूप और हर्ष के साथ बैगांव विभागीय कार्य से गया था।

यहां से वापस घर लौट रहा था तभी बैगांव-मंगतखेड़ा मार्ग पर मंगतखेड़ा कस्बे के पास ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी।इससे तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए ।परिजन सभी घायलों को सीएचसी पुरवा लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जिला अस्पताल में अंकित की मौत हो गई, जबकि अन्य दोनों का इलाज चल रहा है। वहीं, घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर सहित मौके से भाग गया था। अंकित की मौत से पत्नी ललिता, मां संतोषा, भाई अभिषेक और सौरभ बेहाल होते रहे ।शुक्रवार को घटना से नाराज परिजनों ने पुरवा मंगत खेड़ा मार्ग पर मुआवजे को लेकर शव रखकर हंगामा काटना शुरू कर दिया और जाम लगा दिया।जाम की सूचना पर एसडीएम उदित नारायण सेंगर समेत स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों से वार्ता की है।उन्हें सरकार के द्वारा चल रही योजनाओं का लाभ दिलाने का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया।परिजनों ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बाइक सवार लुटेरों ने दिन दहाड़े दंपति से की लुट

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत बिहार मौरावां मार्ग से देवरा लिंक मार्ग पर शादी से वापस आ रहे दंपति को पल्सर सवार लुटेरों ने तमंचा लगाकर दिन दहाड़े रुपये पैसे व जेवरात लूट लिये। लूट की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना बिहार जाकर लूट का खुलासा करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम देवारा निवासी मोनू कुरील अपनी पत्नी कल्पना के साथ थाना खीरों जिला रायबरेली के गाँव शीतला बख्श खेड़ा में रिश्तेदार साढ़ू के भाई की शादी में शामिल होकर वापस घर आ रहे थे । गाँव से करीब 500 मीटर पहले ही दिन में करीब 11:00 बजे पर पुरवा नहर ब्रांच पुल के पास काली पल्सर सवार दो लुटेरों ने मोटरसाइकिल से जा रहे दंपति की बाइक को ओवर टेक कर रुकवा कर उनके तमंचा लगाकर मोनू की पत्नी कल्पना के झुमकी हाफ पेटी पायल दो मंगलसूत्र एवं मोनू से पांच हजार रुपए व मोबाइल फोन छीनकर भाग निकले । लूट की सूचना पाकर जिले में हड़कंप मच गया। जिले के पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह , सी ओ ऋषिकांत शुक्ला बिहार थाने पहुंचे ।घटनास्थल पर एक जिंदा कारतूस भी ग्रामीणों को मिला है जिसको पुलिस को सौप दिया गया है ।पुलिस अधीक्षक ने थाना पुलिस को घटना का शीघ्र खुलासा करने का निर्देश दिया ।साथ ही एस ओजी एवं पुलिस टीम को मामले का खुलासा करने के लिए लगा दिया गया है।

जिला प्रशासन की सतर्कता के चलते शांतिपूर्ण अदा हुई जुमे की नमाज

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जुमे की नमाज के मद्देनजर प्रशासनिक सतर्कता चरम पर रही।जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के प्रमुख इलाकों जैसे किला, जामा मस्जिद, कसाई चौराहा और अन्य मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई।नमाज के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए पुलिस ने ड्रोन से एरियल सर्वे और सघन पैदल गश्त की ।एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सोनम सिंह ने खुद संवेदनशील इलाकों का दौरा किया।रात भर अधिकारियों ने मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में गश्त करते हुए हर स्थिति पर पैनी नजर बनाए रखी। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई ।ड्रोन की मदद से इलाके का हवाई सर्वे किया गया। पुलिस ने इसे सुनिश्चित किया कि किसी भी अप्रिय घटना को तुरंत रोका जा सके। एरियल सर्वे के माध्यम से मस्जिदों और भीड़भाड़ वाले इलाकों की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया ।हाल ही में संभल में हुई घटना के मद्देनजर उन्नाव पुलिस ने अतिरिक्त सतर्कता बरती। एसपी दीपक भूकर ने कहा, ₹हमारी प्राथमिकता यह है कि सभी लोग बिना किसी डर के अपनी धार्मिक गतिविधियां पूरी कर सकें ।₹ उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की गई है, और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने को कहा गया है ।पुलिस ने सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखी है। किसी भी भड़काऊ पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। इसके अलावा, स्थानीय निवासियों के साथ संवाद कर पुलिस ने आश्वस्त किया कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह पुख्ता है। पुलिस ने मुनादी कर लोगों को जागरूक किया और अपील की कि वे किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें। प्रशासन का मानना है कि जनता का सहयोग इन प्रयासों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण होगा।

डीएपी खाद समय से न मिलने पर किसानों में बढ़ रही परेशानियां

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मियागंज विकास खंड क्षेत्र में किसानों को डीएपी खाद मिलने में हो रही परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। समितियों में खाद की उपलब्धता होने के बावजूद, छोटे और जरूरतमंद किसान खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं।किसानों का आरोप है कि खाद वितरण में बड़े किसानों और रसूखदारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि छोटे किसानों को घंटों कतार में खड़े रहने के बाद भी निराशा हाथ लग रही है।

कादिरपुर निवासी किसान सनंदन और जारुल्लानगर की महिला किसान रुपम देवी ने बताया कि खाद न मिलने के कारण उनकी फसल की बुवाई में देरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि समितियों में पारदर्शिता का अभाव है और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मदद के बावजूद खाद वितरण का काम धीमी गति से हो रहा है।

आसीवन क्षेत्र की लोकमन सहकारी समिति में सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। किसानों का कहना है कि घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। कतार में खड़े किसानों का संयम जवाब देने लगा है।कुछ किसानों ने कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए कहा कि समितियों में खाद को ऊंचे दाम पर बेचा जा रहा है, जिससे गरीब और छोटे किसान अपने हक से वंचित हो रहे हैं ।किसानों का कहना है कि खाद वितरण में असंतुलन के कारण उनकी फसल की बुवाई समय पर नहीं हो पा रही है।इसका सीधा असर उनकी आजीविका पर पड़ेगा। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खाद वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की जाए ।स्थानीय अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेने का वादा किया है। उन्होंने कहा है कि कालाबाजारी की जांच की जाएगी और खाद वितरण प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। अधिकारी किसानों को जल्द राहत मिलने का भरोसा दिला रहे हैं।

समाज सुधारक की मनाई गई धूमधाम से पुण्यतिथि

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गुरुवार को अपना दल एस द्वारा महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की पुण्यतिथि बुद्ध विहार पार्क गदन खेड़ा में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय उपाध्यक्ष लखनऊ मंडल एवं कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में बौद्धिक मंच के प्रदेश महासचिव हरी शंकर पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी कार्यकताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की । मुख्य अतिथि हरीशंकर ने ज्योतिबा के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि सितंबर 1873 को सत्य शोधक समाज संस्था का गठन किया तथा उन्होंने सर्व समाज के लिए लगातार संघर्ष किया।समाज सुधारक के रूप ख्याति प्राप्त की ऐसे महापुरुष को हमारी पार्टी लगातार याद करती है।क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरेश पटेल ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने महिला उत्थान , जाति का भेदभाव मिटाने एवं सर्व समाज के लिए शिक्षा ग्रहण करने हेतु विशेष बल दिया ।ऐसे महापुरुष को कभी बुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम को युवा मंच के जिला अध्यक्ष प्रदीप राजपूत, व्यापार मंच के जिला अध्यक्ष जगन्नाथ बौद्ध, सांस्कृतिक मंच के जिला अध्यक्ष कल्याण सिंह लोधी आदि लोगों ने संबोधित किया।कार्यक्रम के अंत में जयविंद कुमार को सक्रिय सदस्यता दिलाई गई तथा दल की नीतियों के बारे में भी विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष विकास राजपूत ने किया। मुख्य रूप से सांस्कृतिक सांस्कृतिक मंच के जिला उपाध्यक्ष बंसीलाल अर्क बंसी, महिला मंच के जिला अध्यक्ष साधना पटेल, जिला सचिव कुंवरपाल आर्य, जिला सचिव युवा मंच अमन शर्मा, दिलीप दिवाकर, दिनेश पटेल, अयोध्या प्रसाद माली आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चकबंदी आयुक्त ने चकबंदी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। जनपद के सीमावर्ती विकासखंड मल्लावां की ग्राम पंचायत गंजजलालाबाद के ग्राम प्रधान अभिषेक दीक्षित ने बताया है कि मुख्यमंत्री जी के विशेष निर्देशों के उपरांत ग्राम गंजजलालाबाद की चकबंदी प्रकिया चल रही है।लेकिन योजनाबद्ध तरीके से बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी द्वारा चकबंदी प्रकिया को प्रभावित किया जा रहा है।जबकि बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के पत्र संख्या -7463/एस टी 2024 दिनांक 20 सितंबर 2024 को ग्राम प्रधान ने गंजजलालाबाद में सार्वजनिक स्थान पंचायत भवन पर ग्राम चकबंदी कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य एवं गांव के खाता धारकों के समक्ष खुली बैठक आहूत की गई थी। जिसमें आरक्षित जमीन के संसोधन पर सहमति चकबंदी सीओ बिलग्राम, सहायक चकबंदी अधिकारी मल्लावां, कानूनगो, लेखपाल के समक्ष हो गई थी। जिसके बाद चकबंदी अधिकारियों ने पांच किसानों को प्रपत्र पांच का पर्चा सौंप कर एवं बचे हुए प्रपत्र पांच को आरक्षण में जो संसोधन होना है उसमें संशोधन करके प्रपत्र पांच बांटने की बात कही थी। लेकिन बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी के ढिलाई के कारण अभी तक प्रपत्र पांच नहीं बांटे गए हैं। अर्थात जानबूझकर चकबंदी प्रकिया को जिला स्तरीय चकबंदी अधिकारियों द्वारा बाधित किया जा रहा है।इस पूरे प्रकरण की जानकारी ग्राम प्रधान अभिषेक दीक्षित ने चकबंदी आयुक्त लखनऊ के समक्ष रखी है।जिस पर रण विजय सिंह संयुक्त संचालक चकबंदी ने जिलाधिकारी/ जिला उप संचालक चकबंदी को गंजजलालाबाद की चकबंदी प्रकिया को जल्द से जल्द आगे बढ़ाने को लेकर दिशा निर्देश दिए है।

दो बाइकों की भिंड़त में एक पक्ष ने दूसरे को पीटा

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम वाजितपुर में चौथी लेने आए रिश्तेदारों के साथ गाड़ी को पीछे करने में बाइक में टक्कर हो गयी जिससे एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को पीट दिया।जिससे मामला पुलिस की चौखट पर पहुँच गया।थाना प्रभारी ने जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया । ग्राम वाजितपुर निवासी शिवशंकर पुत्र भीखू लाल ने थाना बिहार को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि गुरुवार शाम मेरे रिश्तेदार सोनू कुमार पुत्र वीरेंद्र कुमार चौथी लेकर लड़की को विदा कराने आया था।सोनू बाइक खड़ी करके शौच करने लगा तभी प्रेमशंकर पुत्र हरिश्चंद्र निवासी वाजितपुर अपनी पिकअप लोडर को पीछे कर रहा था जिससे बाइक में टक्कर लग गयी।इसको लेकर कहा सुनी हो गयी लेकिन आपस मे समझौता भी हो गया।लेकिन जब लड़की पक्ष के लोग लड़की को विदा करा कर वापस जा रहे थे तब थाना ग्राम दलन खेड़ा के पास प्रेम शंकर अपने पिता हरिश्चंद्र भाई विश्राम, सुमित सिंह के साथ पीड़ित पक्ष को रोककर मारपीट व महिलाओं के साथ बदसलूकी की ।साथ ही रुपये पैसे व जेवर भी ले लिए ।मारपीट की इस घटना में सोनू कुमार, शैलेंद्र, अजय व वीरेंद्र को शारीरिक चोटें आई हैं।थाने का प्रभार देख रहे क्राइम इंस्पेक्टर राम बचन भारती ने बताया मारपीट हुई है लेकिन बदसलूकी व रुपये पैसे छीनने की बात निराधार है।जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय

बांग्लादेश और श्रीलंका की राह पर चल रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान भी श्रीलंका और बांग्लादेश की राह पर चलता नजर आ रहा है। बदहाली से तंग आ चुकी जनता सत्ता पर काबिज आकाओं को बदलने का मूड बना चुकी है। पहले से ही बदहाल आर्थिक हालात, आतंकवाद और शिया-सुनी मुस्लिम तनाव के बीच उलझे पड़ोसी पाकिस्तान में सत्ता के खिलाफ नागरिकों के आंदोलन ने नई मुसीबत खड़ी कर दी है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर रविवार को जो हुआ उसके संकेत कतई सही नहीं हैं। इमरान खान के सैकड़ों समर्थक इस्लामाबाद में डी चौक पर पहुंच गए। पुलिस उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागती रही। इसके जवाब में प्रदर्शनकारी पुलिस और सेना पर पत्थर फेंक रहे हैं। डी चौक इस्लामाबाद का सबसे हाई प्रोफाइल इलाका है। राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री ऑफिस, संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट इसी इलाके में हैं। सेना ने शिपिंग कंटेनर रखकर राजधानी पहुंचने वाले हाईवे को ब्लॉक कर दिया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने लिफ्टिंग मशीन और कई भारी मशीनों की मदद से बैरिकेड्स तोड़ दिए। प्रदर्शनकारियों ने श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षा बलों पर गाड़ियां चढ़ा दीं, जिसमें कुचलकर 4 सैनिक और 2 पुलिसकर्मी मारे गए। हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। ज्यादातर की हालत गंभीर है। हिंसा से निपटने के लिए धारा 245 लागू कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। पाकिस्तानी सेना को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी इलाके में कर्फ्यू लगाने का अधिकार दिया गया है। असल में आम चुनाव के दौरान पाकिस्तान में जो हुआ, उससे जनता खासी नाराज है। उस पर जेल में बंद इमरान खान के बयान आग में घी का काम कर रहे हैं। इमरान खान ने इसे आजादी की लड़ाई के रूप में पेश किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, 24 नवंबर गुलामी से मुक्त होने का दिन है। देश को यह तय करना होगा कि बहादुर शाह जफर की तरह गुलामी का जुआ पहनना है या टीपू सुल्तान की तरह आजादी का ताज। इमरान खान की पोस्ट से स्पष्ट है कि उनकी जिद टीपू सुल्तान की तरह आजादी का ताज पहनने की है। आर्थिक बदहाली से दो चार हो रहे पाकिस्तान पर यह आंदोलन महंगा साबित हो रहा है। विपक्ष के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों और लॉकडाउन से प्रतिदिन भारतीय मुद्रा में लगभग 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है। साथ ही कारोबार भी नहीं चल रहे हैं जिससे लोगों को आर्थिक हानि भी हो रही है। निर्यात करने में भी काफी परेशानी आ रही है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय के अनुसार आंदोलन के कारण हर दिन 144 बिलियन पाकिस्तानी रुपये का जीडीपी को, कृषि क्षेत्र में 20 बिलियन और औद्योगिक क्षेत्र में 26 बिलियन पाकिस्तानी रुपये का नुकसान हो चुका है। हालात ये हैं कि अभी आंदोलन और तेज हो रहा है। इस आंदोलन के दौरान पाकिस्तान में सर्वशक्तिमान सेना का भयावह मिथक सार्वजनिक रूप से ध्वस्त हो होता नजर आ रहा है। इसमें दरारें दो साल पहले तब दिखनी शुरू हो गई थी, जब हज़ारों पाकिस्तानियों ने एक अपदस्थ प्रधानमंत्री के साथ रैली निकाली, जिन्होंने राजनीति पर जनरलों की मज़बूत पकड़ के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई थी। एक साल बाद, गुस्साई भीड़ ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर धावा बोल दिया और उन्हें आग के हवाले कर दिया। अब जनता में सेना के प्रति गुस्सा दिख रहा है। हैरानी नहीं होगी अगर अगले कुछ दिनों में यह खबरें आए कि श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह पाकिस्तान में भी जनता ने सत्ता परिवर्तन कर दिया।

विश्लेषण
डॉ. अश्वनी महाजन

चुनौतियों के हल का मंच बने जी-20

> जी-20 सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुम्बकमं' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने जैसे वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 हो या ब्रिक्स सम्मेलन, वैश्विक स्तर पर इनके बढ़ते महत्व को समझते हुए कूटनीति विशेषज्ञ इन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मंच मानने लगे हैं। युद्ध, आर्थिक चुनौतियां विभिन्न संघर्षों के समय में मंचों का उपयोग विश्व शांति, पर्यावरणीय, प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए इन मंचों का अधिकतम इस्तेमाल वक्त की मांग है।

पिछले वर्ष भारत ने जी-20 समूह के अध्यक्ष के नाते जी-20 सम्मेलन आयोजित किया था। कई मायनों में यह सम्मेलन अभूतपूर्व था। खासतौर पर वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्ष और युद्ध के वातावरण के बावजूद आम सहमति से घोषणा पत्र जारी किया गया। भारत से पूर्व इंडोनेशिया ने इसकी अध्यक्षता संभाली थी, लेकिन उस समय अंतिम घोषणा पत्र में रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस की आलोचना की गई थी। जी-20 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट में अस्तित्व में आया था। भारत में जी-20 सम्मेलन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। इसकी न सिर्फ भौतिक तैयारियां, बल्कि बौद्धिक तैयारियां भी पूरी गंभीरता से की गई थीं। 2023 के सम्मेलन में भारत द्वारा रूस के बारे में कुशलतापूर्वक न केवल विवादास्पद भाषा से बचा जा सका, बल्कि विश्व के समक्ष उपस्थित मुद्दों, खासतौर पर बहुपक्षीय विकास बैंकों समेत वैश्विक वित्तीय संस्थानों में पूंजीगत संरचना में बदलाव, क्रिप्टो करेंसी, वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं का प्रबंधन, मौसम परिवर्तन से जुड़े वित्तीयन के मुद्दे आदि, सभी पर खुली चर्चा का मार्ग भी प्रशस्त हुआ।

'वसुधैव कुटुम्बकमं' के आधार पर 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के ध्येय वाक्य ने जैसे वैश्विक स्तर पर चल रहे विवादों, संघर्षों, समस्याओं, मुद्दों को जैसे एक सूत्र में पिरो दिया था। ब्राजील की राजधानी रियो में सम्पन्न जी-20 सम्मेलन में इन विषयों को आगे ले जाने की एक विशेष चुनौती थी, इसलिए ब्राजील के जी-20 सम्मेलन में हुई चर्चाओं और सहमतियों को उस आलोक में भी देखना महत्वपूर्ण है। रियो, ब्राजील में सम्पन्न सम्मेलन का थीम रहा 'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक धारणीय ग्रह'। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डी सिलवा ने कहा कि जी-20 सम्मेलन 2024, पिछले वर्ष की भारत की अध्यक्षता से प्रेरित रहा और भारत की सम्मेलन को आयोजित करने की कुशलता को प्राप्त करने की कोशिश इस सम्मेलन में की गई है। जी-20 सम्मेलन में ब्राजील के राष्ट्रपति ने सदस्य राष्ट्रों को अपने पर्यावरण लक्ष्यों को बढ़ाने का आह्वान किया। जी-20 सम्मेलन के घोषणा पत्र में पर्यावरण वित्तीयन पर गतिरोध खत्म करने की जरूरत पर बल दिया, लेकिन उसके समाधान के बारे में स्पष्ट मार्गदर्शन देने में यह घोषणा पत्र असफल रहा। समझना होगा कि पर्यावरण वित्तीयन पर यह गतिरोध लगातार बना हुआ है, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि ग्लोबल वार्मिंग और मौसम परिवर्तन जैसे अत्यंत गंभीर मुद्दों पर विकसित देशों की असंवेदनशीलता भी दर्शाता है। हालांकि सम्मेलन का घोषणा पत्र यह कहता है कि पर्यावरणीय वित्त को सभी स्त्रोतों से अरबों से खरबों डॉलर तक तेजी से और पर्याप्त रूप से बढ़ाना जरूरी है, इसके बारे में ठोस रणनीति या संवेदनशीलता कहीं दिखाई नहीं देती। जी-20 सम्मेलन के पहले सत्र, जिसका मुद्दा 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता था', को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रहे। 55 करोड़ लोग फ्री

हेल्थ बीमा का लाभ उठा रहे। किसानों को 20 बिलियन डॉलर (168 हजार करोड़ रुपये) दिए। भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में योगदान दे रहा है। हाल में ही मलावी, जाम्बिया और जिम्बाबे में मदद पहुंचाई है।"

प्रधानमंत्री के भाषण में पिछले सम्मेलन के थीम एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का जिक्र आया और उन्होंने इसे इस सम्मेलन के लिए भी उतना ही प्रासंगिक बताया। यही नहीं उन्होंने जी-20 सम्मेलन अफ्रीकी यूनियन को शामिल करने की बात को भी रखा। समझना होगा कि यह जी-20 के लिए एक मील का पत्थर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध के कारण दुनिया में खाद्य, तेल और उर्वरक का संकट पैदा हुआ है और विकासशील राष्ट्रों (ग्लोबल साऊथ) पर इसका असर सबसे ज्यादा हुआ है। प्रधानमंत्री के भाषण में यह भी रेखांकित किया गया कि जी-20 की चर्चा तभी सफल होगी, जब हम ग्लोबल साऊथ की चुनौतियों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। यही नहीं जी-20 सम्मेलन 2024 में पर्यावरणीय वित्त पर कोई ठोस बात नहीं हो पाई। पर्यावरण के विषय से जुड़े लोग इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने संबंधी भी कोई बात घोषणा पत्र में नहीं आ पाई। गौरतलब है कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को समाप्त करने संबंधी मुद्दे पर विश्व में एक मत नहीं है। जहां भारत सरीखे देश इस बात पर जोर दे रहे हैं कि केवल कोयले के उपयोग को कम करने पर ही नहीं, बल्कि पेट्रोलियम तेल के उपयोग करने पर भी उतना ही बल दिया जाना चाहिए, लेकिन अमेरिका और अरब देशों समेत अधिकांश विकसित देश भी चतुराई से केवल कोयले के उपयोग को कम करने की वकालत कर रहे हैं। उधर दुबई में आयोजित कॉप-28 सम्मेलन में देशों ने जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को कम करने पर सहमति दर्शाई थी, लेकिन पर्यावरण से जुड़े कार्यकर्ताओं को लगता है कि जी-20 घोषणा पत्र में जीवाश्म ईंधनों के उपयोग के बारे में बात नहीं आने से कॉप-29 यह मुद्दा और कमजोर हो जाएगा। किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत का नेतृत्व केवल सम्मेलन तक सीमित नहीं रहता। सम्मेलन के साथ-साथ यह एक अवसर भी होता है कि अन्य मुल्कों के साथ महत्वपूर्ण मुददों पर बातचीत हो, कुछ अनसुलझे मुददे सुलझाए जाएं। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री एवं प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने इस मौके का बखूबी इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केवल ब्राजील के राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि इटली की प्रधानमंत्री जिर्योजिया मैलोनी के साथ मिलकर प्रतिरक्षा, सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे मुददों पर बातचीत की गई। इंग्लैंड के प्रधानमंत्री कीर स्ट्रॉमर के साथ भी प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, सुरक्षा, नवाचार जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। इसके अलावा फ्रांस, नार्वे, पुर्तगाल और इंडोनेशिया के नेताओं के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत हुई। एक अन्य दिलचस्प बात भारत और चीन की द्विपक्षीय वार्ता की हुई, जिसमें चीन के प्रदेश मंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री जयशंकर की बातचीत रही। भारत-चीन सीमा पर दो विवादास्पद ठिकानों पर सेनाओं के पीछे हटने के फैसले के बाद यह पहली बार हुआ कि चीन के साथ सीमा विवादों पर कोई सरकारी बातचीत हुई हो। समझा जा सकता है कि इससे भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंध बेहतर होंगे।

ऐसा लगता है कि पिछले सालों में जी 20 सम्मेलन का महत्व बढ़ता जा रहा है और विभिन्न देश इस सम्मेलन में शासनाध्यक्ष विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने का कर रहे हैं। जी-20 हो या ब्रिक्स सम्मेलन, वैश्विक स्तर पर इनके बढ़ते महत्व को समझते हुए कूटनीति विशेषज्ञ इन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मंच मानने लगे हैं। युद्ध, आर्थिक चुनौतियों विभिन्न संघर्षों के समय में मंचों का उपयोग विश्व शांति, पर्यावरणीय, राजकोषीय चुनौतियों, प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए इन मंचों का अधिकतम इस्तेमाल वक्त की मांग है।

विश्व सहकारिता सम्मेलन
विवेक शुक्ला

सहकारिता आंदोलन को देती गति सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजधानी में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ और स्मारक डाक टिकट भी जारी किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का फैसला दुनियाभर के करोड़ों गरीबों व किसानों के लिए आशीर्वाद सिद्ध होगा। यह संयोग ही है कि हजारों साल से सामुदायिक जीवन जी रहा भारत अब जाकर तरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। 19 अगस्त 1895 को आईसीए का पहला सम्मेलन लंदन में हुआ था, तब इंग्लैंड, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, इंग्लैंड, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड के साथ भारत के सहकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। भारत लगभग 128 साल बाद वैश्विक सहकारी सम्मेलन का नेतृत्व कर रहा है। यह तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित कर रखा है। बेशक, इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और सहकारिता मंत्री अमित शाह को श्रेय दिया जाना चाहिए, जिन्होंने भारत के सहकारी क्षेत्र का पुनरुत्थान कर दिया है। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों को सशक्त बनाने, उन्हें डिजिटल इंडिया से जोड़ने, ई-गवर्नेंस लागू करने और समितियों को आसान वित्तीय सेवा प्रदान करके ग्रामीण भारत और किसानों की आर्थिक उन्नति में योगदान के जरिये समृद्ध भारत की कल्पना को साकार करने की दिशा में मोदी सरकार ने कदम आगे बढ़ाया है। यही नहीं भारत की सहकारी समितियां स्थायी कृषि में भी योगदान दे रही हैं साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही हैं और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की खोज कर रही हैं। मोदी यह भी लक्ष्य कर रहे हैं कि किसानों की आय दोगुनी करने में सहकारिता क्षेत्र से सबसे ज्यादा योगदान लिया जाए। मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों का लक्ष्य रखा था, उसमें सहकारी क्षेत्र को आत्मनिर्भर एवं व्यापक बनाने का भी कार्यक्रम भी शामिल था। पिछले दिनों ही अमित शाह ने 2 लाख नए डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों के गठन की घोषणा के साथ श्वेत क्रांति 2.0 का शुभारंभ किया और यह दावा भी किया कि श्वेत क्रांति में महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं सशक्तिकरण के साथ कुपोषण के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होगी। दुग्ध उत्पादन में भारत को शीर्ष पर बनाये रखने के साथ अमित शाह इसे किसानों की आय का प्रमुख स्त्रोत बनाने में जुटे हैं। इस बीच एक बड़ी उपलब्धि यह हुई है की अब डेयरी से जुड़ी कोई भी मशीनरी विदेश से आयात करने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसका 100 फीसदी उत्पादन भारत में ही होने लगा है। यही नहीं दो लाख प्राथमिक सहकारी समितियों के पंजीकृत हो जाने के बाद एक भी पंचायत ऐसी नहीं बचेगी जहां पैक्स, डेयरी या मत्स्य सहकारी समितियां नहीं होंगी। तो क्या मोदी सरकार अपने इस कार्यकाल में किसानों की आय वास्तव में दोगुनी करने में सफल होगी? इस समय देश के 29 प्रमुख क्षेत्रों में सहकारी संस्थाएं काम कर रही हैं, आठ लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड संस्थाएं हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और असम जैसे राज्य में सबसे सहकारी संस्थाओं की संख्या ज्यादा है। इस समय भारतीय सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़ा है। देश के लगभग 30 करोड़ से अधिक लोगों सहकारिता के सदस्य हैं। देश की 20 प्रतिशत से अधिक आबादी सीधे इससे लाभान्वित है। दुनिया की जिन 300 सबसे बड़ी सहकारी समितियों का टर्नओवर सबसे ज्यादा है, उनमें से 15 भारत की हैं। भारत का इफ्को 72वें स्थान पर, अमूल 90वें स्थान पर है। नई प्रौद्योगिकी के जरिये कामकाज में पारदर्शिता लाना और सहकारी समितियों की बाज़ार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी के लिए आवश्यक वित्त की व्यवस्था करना बहुत आवश्यक है। 2024 के बजट में सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए एक व्यवस्थित और सर्वांगीण नीति की घोषणा की गई और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेज़ गति प्राप्त करने के लिए 1.54 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। मोदी सरकार नेसहकारी क्षेत्र के लिए कई सधार और प्रोत्साहन की योजनाएं शरू की है।

ज्ञान का अभिषेक

संकलित
दर्शन

अखिल ब्रह्मांड ईश्वर का स्वरूप है। श्रावण मास में बरस रही जलधारा ही ऐसी प्रतीत होती है मानो प्रकृति इस धरा का अभिषेक कर रही है। प्रकृति के इसी कृत्य का अनुकरण हम मानव भी करते हैं। श्रावण मास में हम भी शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने आपको ईश्वर के उसी कृत्य के साथ जोड़ लेते हैं। ईश्वर अथवा प्रकृति के गुणों को अपनाना सदाचार है। श्रावण मास हमें यह अवसर देता है। जल जीवन है और यह धरती को पुनर्जीवित करता है। वर्षा से प्रकृति पनपती है। तपती हुई धरती पर जब वर्षा होती है तो उसे शीतलता का आभास होता है। वनस्पतियां उगने लगती हैं। पेड़ों पर नए पत्ते लगने लगते हैं। जैसे श्रावण में लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वैसे ही ज्ञान के श्रवण से मन को पीड़ा और बेचैनी से राहत मिलती है। श्रावण में लोग एकत्रित होकर ज्ञान-श्रवण करते हैं। दिव्य कथाएं सुनते हैं। ईश्वर का गुणगान करते हैं, जिससे उन्हें संतोष प्राप्त होता है। जब मन पर ज्ञान का अभिषेक होता है, तो मन शांत और शीतल हो जाता है। श्रावण को सबसे पवित्र महीना माना जाता है, क्योंकि यह अनेक धार्मिक उत्सवों और पर्वों को अपने साथ लाता है। हिंदू कैलेंडर में श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। शिव परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ऊर्जा हैं। शिव जीवन के मार्ग की बाधाओं को दूर करने वाले हैं। वह पुरातन को विनष्ट कर नूतन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित
प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब वह युवक आश्रम में पहुंचा तो यह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

संविधान का सम्मान जरूरी

26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को स्वीकृत किया गया था। इसी उपलक्ष्य में 26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया जाता है। संविधान की मर्यादा का ख्याल रखना भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी है। लेकिन ऐसा करेगा कौन? राजनेताओं को कुर्सी का मोह है और आमजन को सरकारों से मुफ्त योजनाओं की सौगात चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो न तो देश की राजनीति दागदार होती, न देश में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होती, न ही देश में कोई गरीब बच्चा शिक्षा से वंचित रहता, न कोई गरीब महंगे इलाज के कारण दम तोड़ता और न ही कोई व्यक्ति दो वक्त की रोटी को तरसता। हर भारतीय नागरिक को संविधान का सम्मान करना चाहिए। – *विपिन साहू, खरसिया*

करंट अफेयर

चौरसिया के बांसुरी वादन से इजराइल वासी हुए मंत्रमुग्ध

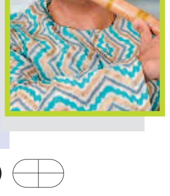

इजराइल में भारतीय संगीत के प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय संगीतज्ञ और ग्रैमी पुरस्कार विजेता बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने यहां 25वें अंतरराष्ट्रीय ऊड महोत्सव में अपनी स्वर लहरियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चौरसिया और तबला वादक पंडित कालीनाथ मिश्रा की जुगलबंदी ने संगीतप्रेमियों को बांधकर रखा। यह चौरसिया की इजराइल में चौथी प्रस्तुति थी। उनके चाचा पंडित हरिप्रसाद चौरसिया विश्व विख्यात बांसुरी वादक हैं। राकेश चौरसिया ने कहा, 'मुझे यहां बार-बार आना पसंद है क्योंकि यहां श्रोता हमेशा गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

ऑफ बीट

कुछ शिशु इतने ज्यादा बालों के साथ क्यों पैदा होते हैं?

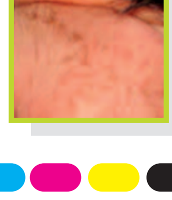

शिशु शरीर पर पतले, मुलायम, छोटे और हल्के रंग के बालों के साथ पैदा होते हैं, जिन्हें 'लानुगो' (गर्भरोम) कहते हैं। यह शब्द लैटिन शब्द 'लाना' से बना है जिसका मतलब 'ऊन' होता है। कुछ शिशुओं में बाल मुश्किल से दिखाई देते हैं। कुछ में, बहुत सारे बाल होते हैं, खासकर चेहरे, कंधों, पीठ और सिर के आसपास। हालांकि, किसी भी तरह से 'लानुगो' चिंता की बात नहीं है और जन्म के कुछ सप्ताह बाद यह अपने आप ही गायब हो जाते हैं। जन्म के समय कुछ शिशुओं के शरीर पर इतने ज्यादा बाल क्यों होते हैं? लानुगो गर्भावस्था के तीसरे महीने के आसपास भ्रूण पर दिखाई देता है।

ट्रेंड

विकास को बढ़ावा

बेहतर बुनियादी ढांचे का मतलब सपनों को जोड़ना और प्रगति को गति देना है। तीन प्रमुख रेल परियोजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी से महाराष्ट्र, एमपी और यूपी को फायदा होगा। यह मुंबई और प्रयागराज के बीच व्यस्त खंडों में विकास को बढ़ावा देगा।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संविधान राष्ट्र की जीवनधारा

संविधान को अपनाने का 75वां वर्ष आज से शुरू हो गया है। मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हमारे पूर्वजों द्वारा परिश्रमपूर्वक और सावधानीपूर्वक तैयार किया गया भारत का संविधान हमारे राष्ट्र की जीवनधारा है।
-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

सफल राजनीतिक स्टार्टअप

12 साल पहले, अरविन्द केजरीवाल ने नई तरह की राजनीति का सपना देखने का साहस किया- एक ऐसी राजनीति जो आम आदमी को केंद्र में रखे। आज, आम आदमी पार्टी भारत की सबसे सफल राजनीतिक स्टार्टअप के रूप में खड़ी है।
-राघव चड्ढा, आप नेता

अनुशासित रहने के कदम

अनुशासित रहने के कदम: .स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें, एक दिनचर्या बनाएं, कार्यों को प्राथमिकता दें, सीमाएँ निर्धारित करें, आत्म-जागरूकता पैदा करें, सचेतनता का अभ्यास करें, स्वस्थ आदतें स्थापित करें, खुद को जवाबदेह ठहराएं, समर्थन मांगें।
-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

संक्षेप

चाचा-भतीजे को बंधक बनाकर पिटाई का मामला

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, पशु व्यापारी चाचा-भतीजे को बंधक बनाकर पिटाई के मामले में सात दिन गुजर गए लेकिन कादीपुर पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी। यही नहीं केस दर्ज करने में भी स्थानीय पुलिस को पूरे आठ दिन लग गए थे। एसपी के आदेश पर मामले में एफआईआर दर्ज हो सकी थी। अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पीड़ितों ने एसपी से न्याय की गुहार लगाया है। कादीपुर कोतवाली अंतर्गत ककना निवासी रईस और उनका भतीजा फहजान पशुओं की खरीद फरोख्त का कारोबार करते हैं। दोनों 12 नवंबर को सुबह 11 बजे दोनों टैनी हसनपुर में टमाटर लाल के यहां जानवर खरीदने गए थे। आरोप है कि वहां पर चार-पांच लोगों ने मिलकर चाचा-भतीजे को बंधक बनाया और जमकर पीटा था। मोहम्मद हमीद की तहरीर पर टमाटर लाल वर्मा, दीपक वर्मा, डब्लू वर्मा, गोलू वर्मा, बब्बू वर्मा, सौरभ यादव व सचिन वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। घटना 12 नवम्बर की है, लेकिन कादीपुर पुलिस ने पीड़ितों की छह दिनों तक नहीं सुनी। जब हमीद एसपी से मिला तो कप्तान ने मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। पीड़ित ने बताया कि टमाटर लाल ने भैंस बेचने की बात कहकर हम लोगों को बुलाया था। जब हम लोग मौके पर पहुंचे तो वहां हमारा 85 हजार रुपए नगद, दो मोबाइल और बाइक छीन ली गई, और बंधक बनाकर हमारी पिटाई की गई। अब जब मुकदमा दर्ज हो गया है तो पुलिस गिरफ्तारी नहीं कर रही है। सीओ कादीपुर विनय गौतम ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साक्ष्य के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रधान के भतीजों ने युवक को लाठी डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में तिलक से लौट रहे युवक को प्रधान के भतीजे ने युवक को लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने जब युवक को पीटते हुआ देखा तो उसे बचाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण बबेरू सीएचसी में कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो भाइयों समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि पूरा मामला बांदा के बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मुरवल गांव के रहने वाले शरद प्रताप सिंह (22) चचेरे भाई के तिलक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर आ रहा था। तभी रास्ते में दो भाई मुकेश निषाद और दुर्गेश निषाद ने उसे घेर कर अभद्रता की। विरोध करने पर लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। जिसकी वजह से वह घायल हो गया। घायल युवक ने बताया कि यह दोनों दबंग वर्तमान प्रधान के भतीजे है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को बबेरू सीएचसी में भर्ती कराया। तहरीर लेकर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिले को 3200 मेट्रिक टन डीएपी मिली, सभी 111 सहकारी समितियों पर भेजी गईः डीएओ

अमन लेखनी समाचार/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जनपद बहराइच को शुक्रवार को 3200 मेट्रिक टन 64000 बोरी डीएपी प्राप्त हुई इसमें से इफको कंपनी की 2200 मेट्रिक टन/44000 बोरी डीएपी चिलवरिया रैक पॉइंट से प्राप्त हुई। चिलवरिया रैक पॉइंट पर प्राप्त इफको डीएपी रैक का जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवलोकन किया गया तदोपरांत जिला कृषि अधिकारी डॉ सुबेदार यादव एवं उप क्षेत्रीय प्रबंधक इफको द्वारा समस्त डीएपी उर्वरक रैक पॉइंट से सीधे रिटेलर्स एवं कोऑपरेटिव समिति को भेजी गयी। इसके साथ-साथ 1000 मेट्रिक टन डीएपी गोंडा रैक पॉइंट से प्राप्त हुई। कुल प्राप्त 3200 मेट्रिक टन डीएपी में से 2650 मेट्रिक टन डीएपी सहकारी क्षेत्र को दी गई एवं 550 मेट्रिक टन डीएपी निजी क्षेत्र को दी जाएगी। 450 मेट्रिक टन डीएपी इफको ई बाजार, एग्री जंक्शन एवं आईएफएफडीसी सेंटर एवं गन्ना की सहकारी समिति को प्रदान की गई। जनपद को प्राप्त 2200 मेट्रिक टन/44000 बोरी डीएपी आज जनपद की सभी 111 सहकारी समितियों पर आज भेज दी गई जो शनिवार दिनांक से बटना शुरू हो जाएगी। जनपद के इफको ई बाजार बहराइच नानपारा एवं महसी में शुक्रवार से ही डीएपी खाद मिलना शुरू हो रहा है। इफको ई बाजार नानपारा पयागपुर महीपुरवा में कल से डीएपी मिलेगी। इसके अतिरिक्त जनपद को गोंडा रैक राइट पॉइंट से भी 700 मैट्रिक टन डीएपी आवंटित हुई है। यह संभवत 2 से 4 दिसंबर को प्राप्त होगी। इसके अलावा जनपद को 300 मैट्रिक टन डीएपी बाराबंकी राइट पॉइंट से भी प्राप्त होगी इसको भी 01 दिसंबर तक प्राप्त होने की संपूर्ण संभावना है। जिला कृषि अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि अभी जनपद में प्राप्त उर्वरक के अतिरिक्त 1750 डीएपी, 1784 मेट्रिक टन एनपीके एवं 8904 मेट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक उपलब्ध है। जनपद के सभी सहकारी समिति पर 42343 बोतल नैनो डीएपी एवं 28476 नैनो यूरिया उर्वरक भी उपलब्ध है। अतः सभी किसान भाइयों निवेदन किया जाता है कि कृषक भाई डीएपी के साथ-साथ नैनो डीएपी एनपीके एवं सिंगल सुपर फास्फेट ट्रिपल सुपर फास्फेट का भी प्रयोग करें, इसकी भरपूर मात्रा जनपद में उपलब्ध है। सभी किसान भाइयों को अश्वस्त किया जाता है कि जनपद में उर्वरक की कमी नहीं होने दी जाएगी जिला कृषि अधिकारी ने बताया की खाद तस्करी करने वाले लोगों और कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच द्वारा किसानों को वितरित किया गया गेहूं का बीज

निकरा परियोजना के अंतर्गत चयनित किसानों को मिला गेहूं का बीज

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। कृषि विज्ञान केंद्र बहराइच प्रथम पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. संदीप कुमार कन्नौजिया के दिशा निर्देशन में निकरा परियोजना के अंतर्गत चयनित गांव जब्दी के 65 किसानों को गेहूं की प्रजाति एच. डी. 3298 और डी. बी. डब्लू 173 वितरित किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डा. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि गेहूं की एच. डी. 3298 किस्म बायोफोर्टिफाइड गेहूं की किस्म है। इसमें लौह और प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है। यह टर्मिनल हीट स्ट्रेस के प्रति सहनशील होती है। इसमें धारीदार जंग, पत्ती जंग, और दूसरी बीमारियों से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी उपज क्षमता 47.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है। डा. नंदन सिंह ने बताया कि गेहूं की डी.बी.डब्लू. 173 किस्म कि उत्पादकता 47.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इसके पकने की अवधि 122 दिन है। यह किस्म पीला एवं भूरा रस्ट अवरोधी है। यह किस्म ताप सहिष्णु है। इसमें प्रोटीन एवं आयरन में अधिकता है। इसमें बायो-फोटीफाईड प्रजाति-प्रोटीन 125 प्रतिशत, आयरन 40.7 पीपीएम होता है। डा. अरुण कुमार राजभर ने बताया कि किसान भाई गेहूं का प्रमाणित बीजों का हि प्रयोग करे। बिजाई से पहले किसान भाई 80 ग्राम थीराम दवा 40 किलोग्राम बीज में अच्छी तरह से मिला ले या 40 ग्राम रैक्सिल दवा को एक बैग में मिलाकर अच्छी तरह से मिलाकर बीजोपचार करे। बीजोपचार करने से गेहूं में रोग नहीं लगता है। किसानों में प्रमुख रूप से बिनोद, संतोखी, नेतराम, चेतराम, किशोरी, अनंतराम, जगतराम, मुनेश्वर, लालजी, अमरनाथ, राजकुमार, इंदर, ओमकार, नंदू आदि किसानों को वितरित किया गया।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बच्चों के द्वारा बाल मेला का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। सरस्वती विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी दिखाया। बच्चों ने बाल मेले में फास्ट फूड्स, चाट, चौमिन, पानी पूरी आदि के स्टाल लगाएं जिसका बच्चे और अभिभावकों ने आनंद उठाया। बाल मेले में नगर पंचायत रूपईडीहा अध्यक्ष डॉक्टर उमाशंकर वैश्य, लिपिक गंगा प्रताप सिंह ने अपने सुपरवाइजरों के साथ पहुंचकर मेले का अनंद उठाया। शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अनुज सिंह नेबताया इस बाल मेले का आयोजन दूसरी बार हुआ है जिसमें विद्यालय परिवार और अभिभावक का भी काफी सहयोग रहता है। बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों का उत्साह वर्धन करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बच्चे देश का भविष्य हैं। साथ ही उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी एक अवसर है जैसे बच्चों के शिक्षा का अधिकार, स्वस्थ रहने का अधिकार और सुरक्षित वातावरण में रहने का अधिकार है नगर पंचायत रूपईडीहा अध्यक्ष उमाशंकर वैश्य बच्चों को बताया आपका हर कदम नई खोज और अनंत खुशियों की ओर ले जाए प्यारे बच्चों, आपकी मुस्कुराहट अंधेरे को रोशन करती है, और आपकी जिज्ञासा दुनिया को बढ़ने के लिए प्रेरित करती है हर बच्चा अपने माता-पिता के लिए एक खजाना हैं। बाल मेला के अवसर पर उपस्थित नगर पंचायत रूपईडीहा अध्यक्ष डॉक्टर उमाशंकर वैश्य, लिपिक गंगा प्रताप सिंह, सुपरवाइजर अजय कुमार, संदीप पाण्डेय, अभय पाठक, सी.एम. फेलो ई० रामेश्वर, संतकुमार शर्मा, सहित अभिभावक गण आदि मौजूद रहे।

विकास भवन में दिव्यांग बच्चों को वितरित की गई एच.बी.ई. किट

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। जनपद के चिन्हित 124 बहुदिव्यांग बच्चों को समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा में होम बेस्ड एजुकेशन के तहत एच.बी.ई. किट के वितरण हेतु मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व सदर विधायक अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख शिवम्‌कुमार जायसवाल द्वारा दिव्यांग बच्चों को सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एमएलसी डॉ त्रिपाठी द्वारा दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन स्तर सुधार लाने में यह योजना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। डॉ. त्रिपाठी ने विभाग व स्पेशल एजुकेटर्स को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के बच्चों तक शिक्षा विभाग सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मन लगा कर पढ़ाई करने का मंत्र दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही होम बेस्ड एजुकेशन की सामग्री का सही से उपयोग किए जाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग करते रहें तथा यह भी सुनिश्चित करें कि इस कार्य में लगे हुए समस्त स्पेशल एजुकेटर्स नियमित रूप से दिव्यांग बच्चों के घर जाकर सामग्री का सदुपयोग कराना सुनिश्चित करें और अभिभावकों को भी सामग्री के प्रयोग के सम्बन्ध में जागरूक करें।

राजकीय विद्यालय रामपुर धोबिया में लगाया गया कैरियर मेला

करत करत अभ्यास ते जड़मत होत सुजानः प्र0आ0 शशिभूषण

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार व कैरियर अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों की शुरूआत की है, जिनमें से एक प्रमुख पहल कैरियर मेला है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को राजकीय विद्यालय रामपुर में कैरियर मेला प्रदर्शनी लगाई गई। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के भविष्य को संवारने व उनके विभिन्न पहलुओं में विकास को गति प्रदान करना है, जिससे छात्र-छात्राएं अपना व समाज के साथ देश तथा देशवासियों को अपना अमूल्य योगदान दे सकें। जिले के वि0ख0 शिवपुर निहित रामपुर धोबिया हार के राजकीय विद्यालय में आज शुक्रवार को कैरियर मेले का आयोजन बड़े ही हर्ष से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प दीप प्रज्वलित कर हुआ। मेले में विभिन्न विभागों से आए हुए कार्मिकगणों द्वारा विद्यालय के छात्रों संग प्रश्नोत्तरी कर भविष्य की रुचि परखी गई तत्पश्चात उसके अनुरूप उन्हें क्या विषय चयनित करना है, स्वस्थ, खानपान, व्यायाम, अभिवादन, संस्कार तथा शिक्षण समय आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गई मेले में डॉ०कासिम अख्तर व ब्लाक कोऑर्डिनेटर करुणाकर गौतम ने विद्यालय के छात्रों से कहा कि जब शरीर स्वस्थ रहेगा तभी दिमाग भी स्वस्थ रहेगा जिससे हर तरफ राहें आसान होंगी और मंजिल अवश्य मिलेगी अतः हमें अपने कार्यों पर ध्यान देकर तनाव मुक्त रहना है। कैरियर मेले में चौकी बैवाही से उप नि0 शिव कुमार शर्मा व हेडकां0 सन्तोष चौधरी ने पुलिस से मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दिया कैरियर मेले में प्राध्यापक शशि भूषण, स0आ0 विपिन वर्मा व सभाजीत, स्कूल के छात्र-छात्राएं, अभिभावकगण व अन्य आगंतुक मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर, बहराइच। फखरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नकौड़ा ग्राम पंचायत में एक युवक का पेड़ से लटकता हुआ शव मिला पेड़ में शव लटकता देखकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सनीदेवल पुत्र राजेंद्र कश्यप उम्र 21 वर्ष निवासी नकौड़ा थाना फखरपुर का बीती रात को शीशम के पेड़ में साड़ी में शव लटकता मिला सुबह जब परिजनों ने देखा तो कोहराम मच गया सनीदेवल तीन भाइयों में घर का बड़ा पुत्र था वही ग्रामीण हत्या की आशंका से तरह तरह की बात करते मिले शव के पैर जमीन में लगे होने से हत्या की आशंका जताते दिखे पुलिस को जानकारी मिलते ही शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी फखरपुर राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रार्थना पत्र मिला है जांच का विषय है शव का पोस्टमार्टम होने के बाद ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रुपईडीहा में जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन अलर्ट

अमन लेखनी समाचार/मो. कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। जुमे के नमाज को लेकर रुपईडीहा में पुलिस अलर्ट मोड पर नजर आई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर मस्जिदों के बाहर फोर्स तैनात कर शांतिपूर्ण ढंग से जुमे की नमाज को सम्पन्न कराया। रुपईडीहा की अलग-अलग मस्जिदों में नमाजियों ने जुमे की शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की। पुलिसकर्मी इस दौरान इलाके में भ्रमणशील रहे। बताते चलें कि प्रदेश के संभल जिले में बीते दिनों मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद आज जुमा की नमाज को लेकर अलर्ट जारी किया गया था। इसको लेकर जिला प्रशासन नमाज को सकुशल संपन्न कराने को लेकर कटिबद्ध थी। शहर के साथ ही ग्रामीण इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। नमाज को लेकर नगर के रुपईडीहा जामा मस्जिद और साथ ही प्रमुख मस्जिदों के पास पुलिस बल की तैनाती की गई। उप जिलाधिकारी अश्वनी पांडे के नेतृत्व में रुपईडीहा थाना प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह पुलिस जवानों के साथ लगातार मार्च कर रहे थे।

छात्राओं ने स्टाल लगाकर प्रदर्शित किया पोस्टर

अमन लेखनी समाचार/फैजान

फखरपुर, बहराइच फखरपुर के राजकीय बालिका इंटर कालेज अचौलिया में एकदिवसीय कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष फखरपुर राजेश कुमार शुक्ला रहे मेले में छात्राओं को करियर से जुड़ी जानकारी प्रदान की गई स्टाल लगाकर करियर से जुड़े पोस्टर करियर प्रदर्शित किए गए करियर गाइडेंस मेले में कालेज की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। छात्राओं ने करियर से पुलिस, चिकित्सा, इंजीनियर, एनम, जेनम, एनसीसी, डांसर, आईएएस, आईपीएस की तरफ स्टाल लगाया गया। मुख्य अतिथि ने छात्राओं के प्रदर्शनी का अवलोकन कर छात्रों का उत्साह वर्धन किया सभी से अन्य प्रश्न पूछे जिसमें छात्राओं ने बेबाकी से जवाब दिया डॉ अमरनाथ, ने कहा कि सभी करियर छात्राओं का सपना होता है सभी छात्राएं आगे बढ़े और सभी को सफलता मिल सके और वह उनके अनुभवों से सीख सकें। शिक्षक संतोष कुमार, विश्वनाथ, शैलेश, विनीता, महिला आरक्षी शिल्पी, ने सम्बोधित कर छात्राओं को करियर के बारे में अपने-अपने विभागों की जानकारी दिया। इस मौके पर शिक्षिका प्रियंका, बबीता मिश्रा, सुरभि शर्मा, साक्षी वर्मा, मौजूद रहीं।

गेहूं के बीज के लिए लग रही लंबी कतारें

250 बैग गेहूं के बीज का किसानो का किया गया वितरण

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बीज ग्राम योजना के तहत गेहूं का बीज बोने के लिए किसानों को प्रमाणित बीज का वितरण किया जा रहा है। इस योजना के तहत 40 किलो का एक बैग 958 रुपए में किसानों को वितरित किया जा रहा है। इस योजना का लाभ पाने के पश्चात किसान बेहद खुश हैं। राजकीय कृषि बीज भंडार पर गुरुवार को सुबह से ही किसानों की लंबी कतार लगी हुई है। राजकीय बीज भंडार के गोदाम प्रभारी पंकज सिंह ने बताया की जिनका रजिस्ट्रेशन हो गया है। उन्हीं को बीज का वितरण किया जा रहा है। किसानो को आधार कार्ड व खतौनी साथ लानी होगी उन्होंने बताया कि लगभग गेहूं के 250 बैग का वितरण किया जा चुका है पर्याप्त मात्रा में गेहूं के बीज उपलब्ध हैं। किसानों को किसी भी असुविधा का सामना करना नहीं पड़ेगा। आदर्श कुमार व त्रिभुवन आदि गेहूं के वितरण में सहयोग करते रहे।

परिषदीय विद्यालयों में छात्रों ने दी नैट परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। शिक्षा क्षेत्र नवाबगंज में नैट परीक्षा (निपुण असेसमेंट टेस्ट) शुक्रवार को पहले दिन शांतिपूर्ण से सम्पन्न हुई नवाबगंज के लगभग 190 प्राथमिक विद्यालय में लगभग शत प्रतिशत की भागीदारी रही। परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने नहीं आयी। डीएसओ नरेंद्र तिवारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज राधेश्याम वर्मा ने संयुक्त रूप से क्षेत्र के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों में परीक्षा का जायजा लिया। सभी विद्यालयों में व्यवस्था चाक-चौबंद मिली बीईओ नवाबगंज श्री वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि क्षेत्र के 190 विद्यालय में नैट परीक्षा (निपुण असेसमेंट टेस्ट) आयोजित की गई है। शुक्रवार पहले दिन कक्षा एक-तीन तक के छात्र-छात्राओं ने नैट परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा ओएमआर सीट पर आधारित थी परीक्षा सुबह नौ बजे से शुरू होकर दोपहर 12 बजे तक सम्पन्न हुई नैट परीक्षा को परिषदीय विद्यालयों में कराने से अध्ययनरत विद्यार्थियों के पढ़ाई-लिखाई के साथ आंतरिक मूल्यांकन करना आसान रहता है। इस मौके पर शिक्षक पवन कुमार, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, शैलेन्द्र कुमार शर्मा, मो फहद आदि मौजूद रहे।

मोबाइल चलाने से मना करने पर छात्रा ने किया सुसाइड

7 दिन बाद हुई मौत, पिता ने डांटा था

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में मोबाइल चलाने को लेकर पिता की डांट से नाराज कक्षा-9 की छात्रा ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। छात्रा की हालत बिगड़ता देख परिजनों ने उसे तुरंत आनन फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां पर 7 दिन इलाज चलने के बाद किशोरी ने दम तोड़ दिया। किशोरी की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आपको बता दें की पूरा मामला बांदा के पैलानी थाना क्षेत्र के गढ़ौरा का है। जहां की रहने वाली कक्षा-9 की छात्रा पारो ने पिता की डांट से नाराज होकर जहर खाकर आत्महत्या कर लिया। किशोरी के पिता राज बहादुर ने बताया की बेटी मोबाइल चला रही थी। मैंने मोबाइल चलाने को लेकर उसे डांट दिया। उसके बाद मैं खेत में चला गया। इस दौरान पारो ने जहरीला पदार्थ कीटनाशक खा लिया। जैसे ही मैं घर पहुंचा पारो की हालत बिगड़ती देखा जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। 7 दिन इलाज चलने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। किशोरी की मौत से पिता सहित पूरे परिवार में कोहराम मच गया है।

फांसी के फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव

9 महीने पहले हुई थी शादी, पति पर प्रताड़ित करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी में सुबह बंद कमरे में नव विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटका मिलने से हड़कंप मच गया। परिजन फांसी के फंदे से शव को उतार कर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका की इसी साल फरवरी में शादी हुई थी। मृतका की बहन ने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। दरअसल ये पूरा मामला शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर मेहमानपुर गांव का है। जहां के रहने वाले राम मनोहर मिश्र के बेटे रोहित की शादी बाराबंकी जिले के सुबेह थाना क्षेत्र स्थित अहीर गांव के रहने वाले संजय तिवारी की बेटी महिमा के साथ इसी वर्ष 4 मार्च को हुआ था। आज सुबह महिमा का शव कमरे के अंदर फांसी के फंदे पर लटकता मिला। जिस समय घटना हुई उस समय मृतका का पति ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने गया था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घर में मौजूद थे। परिजन मृतका को लेकर सीएचसी पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के शरीर पर चोट के भी निशान पाए गए। मृतका की बहन ने आरोप लगाया- बहन का पति हर एक बात पर शक करता था और आए दिन उसको मारता पीटता था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुल्तानपुर में किडनैपिंग के बाद बच्चे की हत्या

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, सुल्तानपुर में किडनैपिंग के बाद कक्षा 4 के बच्चे की हत्या कर दी गई। आरोपी ने कारोबारी पिता से 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी। पिता रकम देने के लिए भी तैयार था, लेकिन उससे पहले ही बच्चे को मार डाला। पुलिस को 35 घंटे बाद दीक सामने वाले घर में बच्चे की लाश मिली। बताया जा रहा है कि आरोपी पर 5 लाख का कर्जा था। इसके लिए उसने बच्चे की किडनैपिंग करके फिरौती मांगी। फिर फंसने के डर से हत्या कर दी। पूरी घटना कोतवाली के गांधी मोहल्ले की है। पुलिस ने बताया कि तंबाकू कारोबारी शकील परिवार के साथ गांधी नगर इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। उनका 11 साल का बेटा ओसामा सोमवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। वह अचानक लापता हो गया। कुछ देर तक जब वह नहीं मिला तो परिवार ने आसपास तलाश की। लेकिन ओसामा का पता नहीं चल पाया। इसके बाद शकील ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर आई। जांच पड़ताल की। लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच, पिता शकील के मोबाइल पर एक कॉल आई। इसमें 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। एक लोकेशन बताते हुए कहा गया कि पैसा लेकर वहां आ जाना। पिता रकम देने के लिए तैयार भी हो गए थे। लेकिन पैसे का इंतजाम नहीं हो पाया था। इधर, पुलिस ने नंबर को सर्विलांस पर लगाकर जांच शुरू कर दी। सुबह को पुलिस नंबर की लोकेशन तलाश कर पाई। मौके पर पहुंची तो जिस घर से लोकेशन आ रही थी, वह ठीक शकील के घर के सामने था। पुलिस अंदर गई तो वहां बच्चे की लाश मिली। पुलिस ने हत्या के आरोपी आसिफ उर्फ सोनू पुत्र बब्बू को हिरासत में ले लिया है। बेटे का शव देखकर मां बेहोश हो गई। गला दबाकर बच्चे की हत्या की गई थी। परिजनों ने बताया- बच्चे की हत्या का आरोपी आसिफ कर्ज में डूबा था। उसने इसलिए 5 लाख की फिरौती मांगी थी। बच्चे के दादा ने बताया- आरोपी ने बच्चे को 25 तारीख को आठ बजे किडनैप किया था। 5 लाख रुपए फिरौती मांग रहा था। कल (सोमवार) बच्चे के पिता को 5 लाख रुपए लेकर बुलाया था। कल बच्चा नहीं मरा था। पिता पैसे का इंतजाम नहीं कर सका। आज सुबह बच्चे की लाश आरोपी के घर में मिली है। पड़ोसी भाजपा कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन ने बताया- हमारे घर के सामने इन लोगों की दुकान है। ये लोग तम्बाकू का काम करते हैं। 25 तारीख की रात 7:30 बजे से बच्चा इनका गायब हुआ था। ये लोग 12:30 से एक बजे रात ढूंढते रहे। हम 12:30 बजे बाहर आए, देखा घर के बाहर बहुत ज्यादा भीड़ थी।

संक्षेप

गाजियाबाद में दुबई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद, गाजियाबाद के मोदीनगर थानाक्षेत्र के गांव गदाना निवासी एक युवक से विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर दो लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पैसे वापस मांगने पर युवक को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव गदाना निवासी रजत कुमार परिवार सहित रहते हैं। रजत ने बताया कि काफी समय पहले मेरी मुलाकात बागपत के एक गांव निवासी दो युवकों से हुई थी। युवकों ने कहा कि हम तुम्हारी नौकरी दुबई लगवा देंगे। इसके बाद रजत ने युवकों के खाते में 1.90 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब कोई जबाव नहीं आया। वह जल्द ही काम होने का आश्वासन देते रहे। काम ना होने पर जब रजत ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि मामले को साइबर सेल भेजा जा रहा है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ में हत्या कर खेत में फेंका शव

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के गांव दतावली में सुबह-सुबह एक अज्ञात लाश मिली। सूचना पर सीओ सदर देहात सहित थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ऐसा लग रहा है कि किसी ने हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया है। शव पर धारदार हथियार से जगह-जगह वार करने के निशान मिले हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सुबह से लाश की शिनाख्त में जुटी रही, लाश की पहचान भावनपुर थाना क्षेत्र के भोपाल विहार निवासी रोहित की निकली है। पुलिस ने सीसीटीवी और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर लाश की पहचान की है। एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि लाश की पहचान हो चुकी है। पुलिस अब घरवालों से संपर्क कर रही है। लाश का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सीओ सदर देहात नवीना शुक्ला ने बताया कि पुलिस को सरसों के खेत में शव की सूचना मिली थी। 112 पर सूचना दी गई थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव औंधे मुंह पड़ा हुआ था। ऐसा लग रहा है कि किसी ने हत्या कर शव को यहां खेत में फेंक दिया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। युवक के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए गए और शव को फेंक दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भावनपुर थाना के दतावली गढ़ रोड संपर्क मार्ग पर बुधवार सुबह लोगों ने सरसों के खेत में एक युवक का शव पड़ा देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी। सीओ सदर देहात के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि करीब 28 वर्षीय युवक की हत्या की गई है।

नगर पंचायत घघसरा को बनाएंगे मॉडल नगर : चेयरमैन प्रभाकर दुबे

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र स्थित के नगर पंचायत घघसरा बाजार को शासन द्वारा आकांक्षी नगर योजना के अंतर्गत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित होने पर।नगर पंचायत कार्यालय पर कलेक्टिव गुड फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई।

बैठक में चेयरमैन प्रभाकर दुबे ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य नगर के समग्र और सतत विकास को सुनिश्चित करना है, जिससे बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो सके,जिससे नागर वासियों के जीवन स्तर में सुधार हो, और इसे शहरी विकास का एक आदर्श मॉडल बनाया जा सके।जिसके लिए हम पूरी तरह से संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग के पहल पर कलेक्टिव गुड फाउंडेशन ने नगर के विभिन्न स्थानों पर फोकस्ड ग्रुप डिस्कशन आयोजित किए और नगर के अधिकारी व कर्मचारियों से इस पर चर्चा किया। नगर के विकास की प्राथमिकताओं को निर्धारित करते हुए, समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। जो सभी कार्यवाहियां नगर पंचायत और कलेक्टिव गुड फाउंडेशन के सामंजस्यपूर्ण प्रयासों से कार्यान्वित की जाएंगी। बैठक में अधिशासी अधिकारी अमित नायक, कलेक्टिव गुड फाउंडेशन के प्रतिनिधि डॉ. विभोर, शासन द्वारा नियुक्त सीएम फेलो आर्किटेक्ट श्रीतिक श्रीवास्तव, अखिलेश गुप्त,सहित कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारात आए युवक को मनबढ़ो ने पीटा, केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। देवरिया जिले के थाना रुद्रपुर निवासी अर्जुन गुप्ता पुत्र गोपाल गुप्ता 25 नवंबर को शाम को बाघागाड़ा में बारात में शामिल होने के लिए आया था। रात्रि में 8 बजे के करीब बारात से भोजन कर घर निकलने के लिए गाड़ी पकड़ने जा रहा था उसी दौरान रास्ते में बारात नाचते हुए आ रही थी। किसी ने धक्का दे दिया। और एक व्यक्ति के ऊपर गिर गया। तो आरोपी उसे चैन से मारपीट कर सिर फोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी गोपी, किशन यादव,शुभम यादव,निवासी पचमा थाना रुद्रपुर जिल देवरिया के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

दिव्यांग बच्चों का ब्लाक स्त्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत दिव्यांग बच्चों का तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन ब्लाक संसाधन केंद्र पर आयोजित हुआ। जिसमें सहजनवां, पिपरौली, पाली ब्लाक के दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी यज्ञ नारायण वर्मा ने सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात दिव्यांग बच्चों का खेलकूद प्रारंभ हुआ जिसमें जलेबी दौड़, म्यूजिकल चेयर दौड़, छुकर पहचानो, लम्बी दौड़, रिंग थ्रो आदि खेलों का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों ने प्रतिभाग कर प्रथम , द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम संचालन जय किशन ने किया। इस मौके पर सुमित कुमार, माधव प्रसाद ,अनूप कुमार पाठक, सुनील जायसवाल, विष्णु देव ,अश्वनी चौरसिया, सैद्धांति मिश्र सहित स्पेशल एजुकेटर ने प्रतिभाग कर कार्यक्रम के संचालन में सकारात्मक सहयोग करते हुए बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

मनबढ़ ट्रैक्टर चालक ने विद्युत पोल को तोड़ा, विद्युत सप्लाई प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत नरौली में एक मनबढ़ ट्रैक्टर चालक विद्युत पोल को तोड़ दिया है। जिससे पूरे गांव में विद्युत सप्लाई बाधित हो गई हैं। वही विभाग के जिम्मेदारों द्वारा मनबढ़ पर कोई कारवाई नहीं किया गया है। मिली जानकारी से ग्राम पंचायत नरौली सिवान में गांव में विद्युत आपूर्ति के लिए विद्युत पोल लगे हुए है। बुधवार की रात्रि में गांव का एक मनबढ़ जिसने ट्रैक्टर की ले जाकर विद्युत पोल में ठोकर मार दिया। जिससे पोल धराशाही हो गया। संयोग कहा जाय कि पोल टूटे ही विद्युत सप्लाई कट गई। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। विद्युत पोल गिर जाने से पूरे गांव में विद्युत सप्लाई बाधित हो चुकी है। लोग अंधेरे में जीने को मजबूर है। इस संदर्भ में एसडीओ सौरव श्रीवास्तव ने कहा पोल तोड़ने वाले व्यक्ति को चिन्हित कर कारवाई कराई जाएगी। जल्द विद्युत की सप्लाई बहाल होगी।

गाड़ी चालक को पीटने के मामले में दूल्हे पर एफआईआर

मेरठ में घुड़चढ़ी के बाद माला से नोट छीनने के मामले में हुआ था वीडियो वायरल

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ में दूल्हे की माला से नोट खींचने के मामले में नया मोड़ आ गया है। रात को पुलिस ने दूल्हे के खिलाफ गाड़ी चालक से मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। दूल्हे पंकज का कहना है कि वह भी थाने जाकर आरोपी चालक के खिलाफ मां-बहनों को गाली देने और टक्कर मारने की शिकायत दर्ज कराएगें। पूरा मामला मेरठ के डुंगरावली का है। यहां के रहने वाले पंकज की शनिवार, शादी थी। घुड़चढ़ी के बाद दूल्हा परिवार वालों के साथ मंदिर में पूजा करने जा रहा था। इसी बीच एक लोडर वाला दूल्हे की माला से नोट निकालकर भागा और लोडर में घुस गया। दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। दूल्हा जैसे लोडर के पास पहुंचा, तो वो गाड़ी चलाने लगा। इस पर दूल्हा गाड़ी की ओर कूदा। खिड़की पर लटक गया। बोला- जल्दी गाड़ी रोक, पैसा चुरा के कहां भागता है। लोडर ना रोकने पर दोनों में काफी बहस हुई। इसी बीच दूल्हा खिड़की से अंदर घुस गया और लोडर को रुकवा दिया। तभी पीछे से आ रहा दूल्हे का परिवार भी पहुंच गया। इसके बाद लोगों ने ड्राइवर को पकड़ लिया। उसकी जमकर धुनाई की। ड्राइवर के माफी मांगने के बाद घर वालों उसे छोड़ दिया था। ड्राइवर की बीच सड़क पर दूल्हा और उसके परिजनों ने पिटाई कर दी थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था।

घर में घुस प्रेमी को स्वजन ने पकड़ा पीटकर पुलिस को सौंपा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर ।सहजनवां नगर पंचायत के एक वार्ड में प्रेमिका के घर घुसे प्रेमी को स्वजन ने पकड़ लिया। और खूब पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। देर शाम तक पीड़ित द्वारा थाने में तहरीर नहीं दिया था। मिली जानकारी से नगर के एक युवक का एक युवती से करीब एक वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अक्सर युवती के बुलाने पर युवक वृहस्पतिवार को रात्रि में 11 बजे उससे मिलने घर में घुस गया। उस दौरान युवती की मां बर्तन साफ कर रही थी। घर में हलचल सुन कर कमरे में गई। तो दोनो ने कमरे को बंद कर लिया। जबरजस्ती खुलाने के बाद युवक को स्वजन ने पकड़ लिया। और खूब पिटाई करने के बाद पुलिस को बुलाकर सौंप दिया। पीड़ित पक्ष ने देर शाम तक कोई तहरीर नहीं दिया है। इस संदर्भ में एसओ विशाल उपाध्याय ने कहा कि तहरीर नहीं मिली है। युवक को पाबंद किया जायेगा।

शादी का झांसा देकर भगा ले गया युवती को केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र स्थित के कालेसर निवासी एक युवक एक 20 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर भगा ले गया है। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से गीडा थाना क्षेत्र के कालेसर निवासी एक 20 वर्षीय युवती का गांव के एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह युवती को हमेशा शादी काने का झांसा देता रहता था। 22 नवंबर को रात्रि में 2 बजे की करीब आरोपी उसे बहला फुसला कर भगा ले गया है। पुलिस ने आरोपी विजय पाल सिंह उर्फ पंजाबी सिंह निवासी कालेसर के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है।

मेरठ में एक्सीडेंट में 1 की मौत

- कार से जा रहा था, रोडवेज बस ने टक्कर मार दी, ड्राइवर फरार

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ में किठौर रोड पर एक रोडवेज बस ने कार में टक्कर मार दी। बस की टक्कर लगने से कार ड्राइवर की मौत हो गई। वहीं सूचना पर पहुंची थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस तलाश कर रही है। मामला मेरठ किठौर रोड का है। यहां खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव बमनपुरा का रहने वाला अश्वनी शर्मा पुत्र प्रेमचंद शर्मा अपनी स्विफ्ट कार से जा रहा था। जैसे ही अश्विनी गढ़ रोड पर किठौर थाना क्षेत्र के गांव भटीपुरा कोल्ड स्टोर के पास पहुंचे सामने से रोडवेज बस आ रही थी। बस ने अचानक कार में सामने से जोरदार टक्क्र मार दी। बस की टक्कर लगते ही कार चालक घायल हो गया। टक्कर के बाद बस चालक बस छोड़कर तुरंत फरार हो गया। बस और कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं भारी भीड़ जमा हो गई। किसी ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भेजा। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। मृतक के घरवालों को हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है। रोडवेज विभाग के जरिए उक्त बस को कौन ड्राइवर लेकर आ रहा था, उसका नाम, पता भी पुलिस जांच करा रही है। ताकि आरोपी को पकड़ा जा सके।

बुलंदशहर के महर्षि वाल्मिकी आश्रम में युवक की हत्या

सिर पर ईंट से मारकर उतारा मौत के घाट, साफ-सफाई का काम करता था

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, बुलंदशहर के खुर्जा के तहसील मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में एक युवक की सिर पर ईंटों से प्रहार कर हत्या कर दी गई। आश्रम के अंदर ही युवक का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान खुर्जा कोतवाली क्षेत्र के सराय मुर्तजा के बड़ा मोहल्ला निवासी रजत उर्फ गद्दी (26) के रूप में हुई है। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंचीं और साक्ष्य जुटाए। फिलहाल मामले में अब तक मृतक के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रजत उर्फ गद्दी मजदूरी करता था। वह आश्रम में ही रहता था और यहां साफ-सफाई का काम भी करता था। रात में वह आश्रम में ही सो जाता था। रात को भी रोजमर्रा की तरह आश्रम की साफ-सफाई करने और खाना खाने के बाद वह आश्रम में सो गया था। आश्रम के अन्य लोगों ने कमरे में चारपाई के पास फर्श पर उसका खून से लथपथ शव देख कर पुलिस को सूचना दी। युवक के सिर पर ईंट से कई बार वारकर हत्या की गई थी।

इस दौरान पुलिस ने कमरे से रक्तरंजित ईंट भी बरामद की। शव की स्थिति से पता चला कि वारदात के दौरान हमलावर के साथ युवक की हाथापाई हुई थी, इसी दौरान वह चारपाई से नीचे गिर पड़ा। शव के शरीर के कुछ हिस्से पर कंबल भी लपेट हुआ था। शव के पास पुलिस ने शव के पास ही एक माचिस की डिब्बी और ताश के कुछ पत्ते भी बरामद किए हैं। अंदेशा है कि घटना से पूर्व कमरे में जुआ खेलने के दौरान विवाद शुरू हुआ होगा। फिलहाल पुलिस ने इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। घटना के कारणों से आश्रम में रहने वाले अन्य लोगों ने पूरी तरह से अनभिज्ञता जाहिर की है। आश्रम में रहने वाले लोगों ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आश्रम में रहने वाले अन्य लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ भी कर रही है। कोतवाली में तैनात प्रशिक्षु सीओ प्रखर पांडे ने बताया कि अभी मामले में मृतक के परिजनों से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। परिजनों से तहरीर प्राप्त कर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

गाजियाबाद में पशुओं के अवेशष मिले, हिंदू संगठनों का हंगामा

स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है, अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद,गाजियाबाद के मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में पशुओं के अवशेष पड़े मिले। सूचना पर मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने गौवंश होने की संभावना जताई जिसके बाद पुलिस ने अवशेषों को उठाकर गड्ढा खोदकर दबा दिया। पुलिस ने अवशेष को जांच के लिए भी भेज दिया है। निवाड़ी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में गौवंश पशुओं के अवशेष मिलने की सूचना पुलिस को पुलिस। सूचना मिलते ही निवाड़ी व मोदीनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसी बीच हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि यह सब स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है। हंगामा बढ़ता देखकर और पुलिस फोर्स बुला लिया गया। हिन्दू युवा वाहिनी के नीरज शर्मा ने कहा कि निवाड़ी थाना क्षेत्र में आए दिन इस तरह की घटना हो रही है। पुलिस हाथ पे हाथ रखे बैठी है। इस संबंध में नीरज शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि निवाड़ी थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजियाबाद में पशुओं के अवेशष मिले, हिंदू संगठनों का हंगामा

स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है, अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद,गाजियाबाद के मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में पशुओं के अवशेष पड़े मिले। सूचना पर मौके पर पहुंचे हिन्दू संगठन के कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने गौवंश होने की संभावना जताई जिसके बाद पुलिस ने अवशेषों को उठाकर गड्ढा खोदकर दबा दिया। पुलिस ने अवशेष को जांच के लिए भी भेज दिया है। निवाड़ी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर कान्हा एन्कलेव कॉलोनी के पास झाड़ियों में गौवंश पशुओं के अवशेष मिलने की सूचना पुलिस को पुलिस। सूचना मिलते ही निवाड़ी व मोदीनगर पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसी बीच हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जमकर हंगामा किया। उनका आरोप है कि यह सब स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से हो रहा है। हंगामा बढ़ता देखकर और पुलिस फोर्स बुला लिया गया। हिन्दू युवा वाहिनी के नीरज शर्मा ने कहा कि निवाड़ी थाना क्षेत्र में आए दिन इस तरह की घटना हो रही है। पुलिस हाथ पे हाथ रखे बैठी है। इस संबंध में नीरज शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि निवाड़ी थाने में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।

त्रिलोकतीर्थ नाम से ढाबा चला रहा था मुस्लिम युवक

बागपत में बिरयानी बेचने पर विवाद, हिंदू संगठनों के विरोध के बाद संचालक फरार

अमन लेखनी समाचार

बागपत, बागपत के रटौल कस्बे में एक विवादित मामला सामने आया है, जहां जमील नाम के मुस्लिम युवक ने त्रिलोकतीर्थ नाम से एक ढाबा खोल रखा था। इस ढाबे में बिरयानी और अन्य व्यंजन बेचे जा रहे थे। यह नाम क्षेत्र के प्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल त्रिलोकतीर्थ बड़ागांव से प्रेरित बताया जा रहा है। इस घटना को लेकर हिंदू संगठनों और भाजपा नेताओं ने कड़ा विरोध जताया। उनका आरोप है कि यह जैन समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास है। विरोध बढ़ने पर जमील ढाबा छोड़कर फरार हो गया। भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल और आकाश त्यागी ने हिंदू युवा वाहिनी के साथ मौके पर पहुंचकर जमील से फोन पर बात की और ढाबा बंद करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि जमील ने त्रिलोकतीर्थ नाम से ढाबा खोलकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। मनुपाल बंसल ने कहा, ऐसे लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर होटल खोलते हैं और उन्हें बदनाम करने की साजिश रचते हैं। यह 'थूक जिहाद' और 'मूत्र जिहाद' जैसी घटनाओं का हिस्सा हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कहा है कि होटल अपने नाम से खोलें, लोगों को भ्रमित न करें। त्रिलोकतीर्थ बड़ागांव जैन समाज का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तीर्थ स्थल के नाम का दुरुपयोग कर ढाबा खोलने से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। हिंदू संगठनों का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए। इस घटना ने क्षेत्र में धार्मिक विवाद को लेकर चर्चा को फिर से गर्म कर दिया है।

संक्षेप

ब्रह्मदेव बाबा में दंगल शनिवार को

सपा संस्थापक की स्मृति में आयोजित हो रहा दंगल

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की स्मृति में मुंडेरा मार्ग के ब्रह्मदेव बाबा स्थान पर विशाल दंगल एवं मेले का आयोजन शनिवार को कराया गया है। कार्यक्रम के आयोजक बिरखेरा प्रधान अशोक कुमार यादव ने बताया कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की स्मृति में एक दिवसीय विशाल दंगल का द्वितीय वर्ष का आयोजन शनिवार को मुंडेरा मार्ग के ब्रह्मदेव बाबा स्थान पर होगा। इस दंगल में यूपी पंजाब हरियाणा दिल्ली राजस्थान नेपाल आदि के नामीगिरामी पहलवानों को आमंत्रित किया गया है। ग्राम प्रधान ने बताया कि ब्रह्मदेव बाबा का मेला बहुत पुराना है। दंगल का आयोजन नेता जी की याद में पिछले वर्ष कराया गया था। दूसरी बार इस वर्ष आयोजित हो रहा है। इसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

नेट परीक्षा में शत प्रतिशत उपस्थिति में पुरस्कृत हुए छात्र छात्राएं

प्राथमिक विद्यालय चांद में हुई परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के प्राथमिक विद्यालय चांद में नेट परीक्षा के दौरान शत प्रतिशत छात्र छात्राओं की उपस्थिति में प्रसन्न होकर प्रधानाध्यापक ने सभी को पुरुस्कार स्वरूप कापियां एंव पेन वितरित किए। प्राथमिक विद्यालय चांद में नेट परीक्षा के दौरान शत प्रतिशत छात्र छात्राएं मौजूद रहे। इससे खुश होकर प्रधानाध्यापक रविपाल सिंह ने सभी को कापियों के साथ उपहार स्वरूप पेन भेंट किए। कापियां एवं पेन पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे हैं। इस मौके पर सहायक शिक्षिका नंदिनी, साधना, शिक्षामित्र शोभा रानी, अनीता देवी के अलावा छात्र छात्राओं के अभिभावक मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित जिला शिक्षा पदाधिकारी की ससम्मान वापसी की मांग

उच्च स्तरीय जांच के बाद ही हो कार्रवाई: डॉ. कुमार मदन मोह

अमन लेखनी समाचार

दरभंगा (ब्युरो के जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री समर बहादुर सिंह और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी रवि कुमार के निलंबन ने शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है। इस निलंबन को लेकर शिक्षक समुदाय में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। बहादुरपुर प्रखंड स्थित प्लस टू राजकीयकृत बापू स्मारक उच्च विद्यालय, कुशौथर के उच्चतर माध्यमिक शिक्षक और शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. कुमार मदन मोहन ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।डॉ. मदन मोहन ने कहा, "श्री समर बहादुर सिंह एक कुशल शिक्षाविद् और शिक्षकों के हितैषी पदाधिकारी रहे हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता और नवाचार को बढ़ावा देने की झलक स्पष्ट है। सरकार के विभिन्न अभियानों जैसे 'प्लास्टिक फ्री इंडिया,' 'जल जीवन हरियाली,' और ससमय शांतिपूर्ण काउंसलिंग में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। ऐसे अधिकारी का निलंबन न केवल उनके सम्मान को ठेस पहुंचाता है, बल्कि जिले की शिक्षा व्यवस्था को भी बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। "डॉ. कुमार ने चेतावनी देते हुए कहा, " अगर 10 दिनों के भीतर जिला शिक्षा पदाधिकारी को क्लीन चिट नहीं दी गई, तो मैं अपने शिक्षक पद से इस्तीफा दे दूंगा। दोषी ठहराने से पहले निष्पक्ष जांच आवश्यक है। केवल प्रथम द्रष्टया आरोपों के आधार पर कार्रवाई करना न्यायोचित नहीं है।"डॉ. कुमार ने कहा कि इस निलंबन से जिले की छवि को धक्का लगा है और सरकार को इस आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वे इस मामले को पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री तक पहुंचाएंगे।

उन्होंने आगे कहा, "यदि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सम्मान नहीं मिलेगा, तो शिक्षक अपने आपको सुरक्षित और सम्मानित कैसे महसूस करेंगे ऐसे माहौल में शिक्षण कार्य करना मेरे जैसे आदर्शवादी शिक्षक के लिए असंभव है।" डॉ. कुमार की इस घोषणा ने जिले के शिक्षकों का ध्यान खींचा है, और सभी आगे की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मलेन में दस जोड़ों ने थामा एक दूसरे का हाथ

सदर विधायक ने दिया आशीर्वाद

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के श्री गायत्री तपोभूमि में आयोजित संगम सेवा ट्रस्ट के सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में दस जोड़ों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर जीवनसाथी चुना। सदर विधायक ने मौजूद होकर वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर सदर विधायक ने विरक्त आश्रम में चंदन के पौधे का रोपण भी किया।

श्री गायत्री तपोभूमि प्रांगण में संगम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय प्रजापति एवं पवन टेलर ने संयुक्त रूप से सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन संपन्न कराया। इस सामूहिक विवाह समारोह में दस जोड़ों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर साथ जीने मरने की कसमें खाई। इन जोड़ों में काजल संग शिवम, अंजुला संग दीपू कुमार, शिवानी साहू संग गोरेलाल साहू, रागनी देवी संग विमलेश कुमार, खुश्बू संग यशवंश, स्नेहा संग स्वतंत्र, शिवानी सिंह संग संदीप, खुश्बू संग राजू, रज्जो संग आशीष, रश्मि देवी संग संदीप शामिल है। इनको सदर विधायक डा. मनोज कुमार प्रजापति ने मौजूद होकर आशीर्वाद देकर उनके गृहस्थ जीवन की खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने विरक्त आश्रम में पहुंचकर चंदन का पौधा रोपित किया। पुजारी गणेश दत्त पांडेय ने वैदिक मंत्रों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराया। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री पुष्पराज सोनी, नवलकिशोर शुक्ला, नीतू द्विवेदी, गीता ओमर, गीता वर्मा, पवन टेलर, संजय प्रजापति, योगेश योगी, रामनरायन कबीर आदि मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष अजय प्रजापति ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वर वधू को गृहस्थी का सामान भेंटकर ससम्मान विदा किया। कार्यक्रम का संचालन मुनीर खान ने किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुआ युवक

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी युवक का चल रहा था इलाज परिजन परेशान

अमन लेखनी समाचार

अमेठी रामगंज थाना क्षेत्र के भागीपुर त्रिशुंडी गांव में एक 28 वर्षीय युवक के लापता होने से परिजनों में हड़कंप मच गया। मनीष कुमार नाम का यह युवक बुधवार देर शाम घर के पास से संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

आज सुबह युवक के पिता भगवान प्रसाद राय और भाई ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। रामगंज एसएचओ अजयेंद्र पटेल ने बताया, "लापता युवक के परिजनों से मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। युवक की तलाश के लिए सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों का सहारा लिया जा रहा है।" परिजनों के मुताबिक, मनीष पिछले सात वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था और उसका इलाज मुंबई और उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में चल रहा था इलाके में मनीष के लापता होने की खबर के बाद से ग्रामीणों में भी चिंता है। परिवार के लोग रिश्तेदारों और परिचितों के माध्यम से भी मनीष का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है, और पुलिस परिजन को जल्द राहत देने के प्रयास में जुटी हुई है।

पिछले 40 घंटे से जारी है आयकर विभाग की छापेमारी

छापेमारी के दौरान कंपनी का मुख्य मैनेजर हुआ भूमिगत

भारी मात्रा में टैक्स चोरी पकडे जाने की संभावना

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। उद्योग नगरी में संचालित रिमझिम इस्पात लिमिटेड एवं जूही एलाइज में आयकर विभाग की छापेमारी पिछले 40 घंटे से निरंतर जारी है। सूत्रों का कहना है कि आयकर टीम को टैक्स चोरी की भारी गड़बड़ियां मिली है। छापेमारी के दौरान मौका पाकर कंपनी का एक मैनेजर भूमिगत हो गया है। इसकी तलाश में रात में कंपनी के अंदर और बाहर छापेमारी की गई लेकिन भूमिगत मैनेजर हाथ नहीं लगा है। बताते हैं कि यह मैनेजर ही रिमझिम इस्पात का मुख्य संचालक है और कुछ प्रतिशत का हिस्सेदार भी कंपनी के शेयरों में है। इसके गिरफ्त में आने के बाद कई और राज भी सामने आ सकते हैं। दोनों कंपनियों के आधा दर्जन मैनेजर आयकर विभाग की टीम की गिरफ्त में है। इनसे टीम अलग-अलग कमरों में बैठाकर पूंछताछ कर रही है।

टैक्स चोरी की आशंका में आयकर विभाग की टीम ने जीएसटी की डीजीजीआई टीम के साथ बुधवार की रात 11 बजे सुमेरपुर कस्बे की रिमझिम इस्पात एवं जूही एलाइज में एक साथ छापा मारा था। तब से टीम की छापेमारी निरंतर चल रही है। गुरुवार की सुबह से दोनों फैक्ट्रियों में उत्पादन ठप चल रहा है। बताते हैं कि गुरुवार को देर शाम जब कंपनी के कर्मचारियों को बाहर निकाला जा रहा था तभी कंपनी का मुख्य मैनेजर आयकर टीम को चकमा देकर फैक्ट्री से निकल भागा। इसकी तलाश में टीम ने फैक्ट्री के अंदर बाहर छापेमारी की लेकिन वह हाथ नहीं लगा है। बताते हैं कि दोनों फैक्ट्रियों के संचालन की जिम्मेदारी इसी के हाथ है और सारा लेखा जोखा इसी के पास रहता है। अगर यह टीम की हत्थे चढ़ जाता तो कई रहस्य उजागर हो सकते थे लेकिन यह फैक्ट्री कर्मी बनकर फैक्ट्री के अंदर से बाहर निकलने में कामयाब हो गया। उधर टीम ने फैक्ट्री के आधा दर्जन मैनेजरों को अपनी गिरफ्त में ले रखा है और इनसे अलग-अलग कमरों में बैठाकर पूंछतांछ की जा रही है। टीम के साथ आये पीएसी बल के जवान मुख्य गेट से लेकर कार्यालय और आवासीय फ्लैटों में डटे हुए हैं। कोई अंदर से बाहर तथा बाहर से अंदर नहीं जा पा रहा है। टीम के हाथ क्या लगा है इसकी अधिकृत जानकारी अभी तक टीम ने यहां किसी से साझा नहीं की है। मीडिया को भी टीम ने बाहर से लौटा दिया है।

सूत्रों का कहना है कि टीम को टैक्स चोरी के बड़े सबूत हाथ लगे हैं। इन्हीं सबूत को पुख्ता करने के साक्ष्य टीम जुटाने में लगी है। उधर कंपनी के बाहर कच्चा माल लेकर आए सैकड़ों ट्रक खड़े हो गए हैं। बताते हैं कि टीम ने बाहर से आने वाले ट्रकों के कागजात भी जब्त किए हैं। छापेमारी का सिलसिला कब तक चलेगा इसका टीम ने अभी तक खुलासा नहीं किया है। पिछले 40 घंटों से चल रही छापेमारी की चर्चा फैक्ट्री एरिया सहित कस्बे में जगह-जगह हो रही है।

कृषि भूमि पर आवासीय प्लाटिंग

भू कारोबारियों द्वारा धारा 80 कर राजस्व विभाग को लाखों रुपए का भारी नुकसान

ले आउट पास करा फिर बेचने का अधिकार है भू कारोबारियों को

अमन लेखनी समाचार

ललितपुर/जमीन से जुड़े मामले आए दिन जिला मैं बहुत तेजी से प्रकाश मैं आ रहे हैं चाहे वह कृषि भूमि पर भू माफियाओं द्वारा अवैध प्लाटिंग के हों या फिर राजस्व विभाग को स्टांप चोरी के ललितपुर जनपद मैं हाल ही दिनों पूर्व मैं जिला अधिकारी अक्षय त्रपाठी एवम पुलिस अधीक्षक मुहम्मद मुस्ताख ने जिला भू कारोबारियों की सूची जारी कर जनपद मैं जमीन खरीद फरोख्त मैं आधा सैकड़ा से अधिक भू कारोबारियों द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग को लेकर जिला की जनता को सतर्क कर दिया था जिससे लोगों की महनत से कमाया पैसा गलत जगह न लग जाए जिला मुख्यालय से नजदीक ललितपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पनारी और रजवारा हद मैं बड़े पैमाने पर कृषि भूमि पर भू माफियाओं द्वारा आवासीय प्लाटिंग में खुले आम की जा रही है जिससे राजस्व अधिकारियों की आंखों मै धूल झोंक भू कारोबारियों के हौसले बुलंद है कृषि भूमि के साथ साथ गांव मैं चकबंदी होते हुए भी विभाग से बिना परमिशन लिए बड़े पैमाने पर ग्राम सभा की भूमि सहित व्यापारिक दृष्टि से भवनों का निर्माण कराया जा रहा है जहां चकबंदी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की मिली भगत से विभाग को लाखों रुपए के राजस्व की हानि उठानी पड़ रही है तो वहीं राजस्व विभाग और चकबंदी विभाग के अधिकारियों को मोटी रकम देकर भू कारोबारियों द्वारा सोने पर सुहागा किया जा रहा है जिला मुख्यालय के ग्राम रजवारा और पनारी में जिला मुख्यालय के नजदीक होने पर भू कारोबारियों द्वारा किसानों की कृषि भूमि पर आवासीय प्लाटिंग कर प्रशासन की आंखों मै धूल झोंकने का काम किया जा रहा है जिला प्रशासन द्वारा इन भू कारोबारियों की प्रमुखता पैनी नजर जांच हुई तो जमीन से जुड़े कई मामले खुल कर सामने सकते हैं और इन माफियाओं पर हो सकती है बड़ी कार्यवाही

यातायात जागरूकता माह नवंबर के 29वें दिन आमजन को किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

अमेठी (ब्युरो)यातायात जागरूकता माह नवंबर के 29वें दिन यातायात पुलिस जनपद अमेठी द्वारा नौगजी तिराहा थानाक्षेत्र जायस में आम लोगों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पंपलेट वितरित कर जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु अपील की गयी तथा दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट स्थानों पर यातायात नियमों का उल्लंघन (जैसे- गलत दिशा में वाहन चलाना, सड़क के किनारे हाईवे पर अवैध रूप से पार्किंग कर वाहन खड़ा करना व तेज गति से वाहन चलाना आदि) करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया । चेकिंग के दौरान 175 वाहनों का चालान कर कुल 2,35,000 रुपये का जुमार्ना योजित किया गया ।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 52 दावों के 96 लाभार्थियों को दो करोड़ 48 लाख 60 हजार रुपये की मिली सहायता

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित डा. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक डा. मनोज कुमार प्रजापति व विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी घनश्याम मीना रहे।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना में जिलाधिकारी की स्वीकृति के बाद आज के इस कार्यक्रम में सितंबर 2024 तक के स्वीकृत समस्त 52 दावों के 96 लाभार्थियों को कुल 2 करोड़ 48 लाख 60 हजार रुपए की धनराशि से संबंधित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सदर विधायक व जिलाधिकारी द्वारा प्रदान की गई। यह धनराशि इन संबंधित लाभार्थियों के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पहुंच चुकी है। इसके अंतर्गत तहसील हमीरपुर के 17 दावों में 34 लाभार्थियों को 80.70 लाख रुपये की धनराशि, तहसील मौदहा के 20 दावों में 36 लाभार्थियों को 95.70 लाख रुपये की धनराशि, तहसील राठ के 9 दावों में 15 लाभार्थियों को 42.20 लाख रुपये की धनराशि तथा तहसील सरीला के 6 दावों में 11 लाभार्थियों को 30 लाख रुपये की धनराशि कुल 2 करोड़ 48 लाख 60 हजार रुपये की धनराशि वितरित की गई। इस मौके पर सदर विधायक ने कहा कि कृषक की असामयिक मृत्यु पर संबंधित परिवार को विभिन्न प्रकार की आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री जी ने ऐसे परिवारों को तुरंत सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना को संचालित किया है। इससे संबंधित परिवार अपनी जरूरतों को पूरा कर सकेगा। कहा कि इस योजना के अंतर्गत मिलने वाली धनराशि का सदुपयोग किया जाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सुरेश कुमार, एसडीएम न्यायिक सदर बलराम गुप्ता, तहसीलदार सदर व अन्य संबंधित अधिकारी एवं लाभार्थी मौजूद रहे।

जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक द्वारा कस्बे में किया गया पैदल गस्त

अमन लेखनी समाचार

मौदहा। आज जुम्मे की नमाज के दृष्टिगत जनपद में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा द्वारा कस्बा मौदहा में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर स्थानीय नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आमजन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। पैदल गश्त के दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और आम जनता से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने लोगों से अपील करते हुये कहा कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रमुख चौराहों, मस्जिदों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस मौके पर पुलिस बल को सतर्क रहने और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने यह भी सुनिश्चित किया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक न हो और हर नागरिक को सुरक्षा का एहसास हो। गश्त के दौरान पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र की गलियों और मुख्य बाजारों में घूमकर यह सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण और कुशलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए थे। इस दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष रूप से ट्रैफिक पुलिस को निर्देशित किया गया। स्थानीय नागरिकों ने भी पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सहयोग प्रदान किया। इस तरह जुम्मे की नमाज शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का डीएम ने किया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित जिला विज्ञान क्लब के तत्वाधान में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों हेतु जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज मे किया गया। जिसमें 133 से अधिक मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने मॉडल प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए लगाए हुए मॉडल की तारीफ करते हुए कहा कि बच्चों द्वारा मानव जीवन के लिए बेहतर प्रयोग हेतु प्रदर्शन किया गया। यदि बच्चों के अंदर उत्सुकता बनी रहेगी तो अपने परिवार समाज और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की भूमि विज्ञान की पृष्ठ भूमि है। आर्यभट्ट सीवी रमन आदि वैज्ञानिकों का उदाहरण देते हुये कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला ने मॉडल को व्यवहारिक और प्रायोगिक बताते हुये कहा कि आज के समाज मे उनका उपयोग कर बच्चे दुनिया मे अपने देश का नाम रोशन करेंगे। कहा कि बच्चों ने जल सरंक्षण, भौतिक विज्ञान, जैविक खेती पर अभिनव प्रयोग और तन्मयता के साथ मॉडल तैयार किये हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि उद्देश्य पूर्ण मॉडल बनाने के लिये बच्चों ने समर्पित भाव से गुरुजनों के मार्गदर्शन में कार्य किया है। इस दौरान 15 बच्चों का चयन मंडल स्तर के लिए किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अमित दक्ष, शिखर सचान व प्रकाश गौरव ने किया।निर्णायक मंडल में राजकीय महाविद्यालय कुछेछा के प्राध्यापक डा. युधिष्टिर सिंह, डा. ज्ञानेंद्र कुमार, डा. केके श्रीवास्तव एवं डा. ओजेर अजीज रहे। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डा. जीके द्विवेदी ने कार्यक्रम की उपलब्धियां बताई। प्रभारी जिला समन्वयक अधिकारी डा. यज्ञेश के मार्गदर्शन में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री छोटेलाल एकेडमी राठ की कक्षा 9 की अगम्या राजपूत व द्वितीय स्थान पर सरस्वती बाल मंदिर राठ के जतिन कुमार व तृतीय स्थान पर श्री छोटेलाल एकेडमी राठ के कक्षा 10 के छात्र आदर्श सोनी ने सफलता प्राप्त की। 15 बच्चों को मंडल स्तर के लिये चयनित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बच्चों को पुरुस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में अखिलेश शुक्ला, राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार प्रजापति, बाबूराम कनौजिया, सौरभ पांडेय, राजाराम प्रजापति, रोहित दीक्षित, रामकरन सिंह, विष्णु शुक्ला, संजीव पाठक, बृजेन्द्र निगम आदि उपस्थित रहे।

बारातियों से भरी स्कॉर्पियो खड़े ट्रक से टकराई

अमन लेखनी समाचार

अमेठी में देर रात सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में स्कार्पियो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को सुल्तानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में घायल एक व्यक्ति के मौत की सूचना है। स्कॉर्पियो सवार सभी लोग सुल्तानपुर जिले से अमेठी में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। पूरा मामला गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के टाण्डा-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित स्टेट बैंक के सामने का है, जहां देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई।

समितियों से डीएपी व बीज भंडार से चना का बीज हुआ गायब

किसान परेशान बाजार से खरीद रहा घटिया खाद बीज

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। प्रशासन किसानों को डीएपी के साथ चना आदि का बीज मुहैया कराने में असफल साबित हो रहा है। एक सप्ताह पूर्व आई डीएपी से किसानों की मांग पूरी नहीं हो सकी है। किसान मजबूर होकर बाजार से घटिया किस्म की डीएपी महंगे दामों में खरीदकर बोने को मजबूर है। कृषि विभाग महंगे दामों पर बिक रही डीएपी पर अंकुश लगाने में असफल है। वर्तमान समय में चना की बुवाई का पीक सीजन है। पिछले एक सप्ताह से कस्बे की समितियों से डीएपी गायब है। किसान प्रतिदिन समितियों के चक्कर काट रहा है और मजबूर होकर बाजार से महंगे दामों में घटिया डीएपी खरीदकर फसले बोने को मजबूर है। किसान भूपेंद्र यादव, प्रदीप गुप्ता, राज किशोर, इंद्रपाल यादव, अनिल कुमार, राजा भैया, दयाराम आदि ने बताया कि कस्बे के सभी दुकानदार 18 सौ रुपए प्रति बैग डीएपी बेच रहे हैं। कृषि विभाग अधिक दामों पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। वहीं राजकीय बीज भंडार से पिछले एक पखवारे से ज्यादा समय से चना का बीज गायब है। इससे किसान परेशान है। बीज गोदाम प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि चना का बीज इसी सप्ताह आने की उम्मीद है। किसान परशुराम यादव, अशोक कुमार, मानसिंह, जितेंद्र सिंह, गया प्रसाद, रामूपाल, महेश पाल आदि ने बताया कि चना के बीज समय पर उपलब्ध न होने से दलहन का रकबा घटेगा और गेहूं का रकबा बढ़ेगा।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों, संसार में अनेक जीव-जंतु हैं, जिनमें से कुछ पक्षी अपनी अलग किस्म की शारीरिक संरचना की वजह से जाने जाते हैं। आज हम तुम्हें कुछ ऐसे अनोखे पक्षियों के बारे में बता रहे हैं, जिनके सिर पर खास तरह का क्राउन यानी ताज होता है। ये ताज उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। जानो, ऐसे ही ही कुछ अनोखे पक्षियों के बारे में।

सुंदर-आकर्षक क्राउन वाले ये अनोखे पक्षी

ग्रे-क्राउन क्रेन

मध्य-दक्षिणी अफ्रीका में पाया जाने वाला ग्रे-क्राउन क्रेन (सारस) एक नीला-ग्रे क्रेन है। इसका चेहरा ब्लैक और व्हाइट होता है। इसके सिर पर मुकुटनुमा सुनहरे-पीले पंखों वाली चमकीली संरचना होती है। यह क्रेन आमतौर पर अकेले, जोड़े में या झुंड में आर्द्रभूमि, बाढ़ वाले घास के मैदानों और किसी भी आर्टिफिशियल वॉटर बॉडी के आस-पास पाए जाते हैं। भोजन की तलाश में या खराब मौसम में ये पक्षी अन्य खुले स्थानों पर चले जाते हैं। ग्रे-क्राउन क्रेन सर्वाहारी पक्षी है, जो मुख्य रूप से पौधे, अनाज, कीड़े, सांप और छोटी मछलियां खाता है।

रॉयल फ्लाईकैचर

उत्तरी, दक्षिणी और मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला रॉयल फ्लाईकैचर एक दुर्लभ, मध्यम आकार का भूरे रंग का पक्षी है। इसकी लंबी चोंच, हल्के दालचीनी रंग की पूंछ होती है। इसका मुकुट अनूठे तरीके से खुलता है। यह अपना मुकुट कम ही खोलता है, लेकिन बंद में भी इस मुकुट के शानदार डिजाइन और पैटर्न देखे जा सकते हैं। एक बार खुलने पर इसका मुकुट एक हथौड़े के आकार का हो जाता है, जो चमकीले लाल और बैंगनी नीले रंग के पंखे के रूप में दिखाई देता है। यह आर्द्र उष्णकटिबंधीय जंगलों का मूल निवासी है। खुले मध्य-स्तरीय क्षेत्रो में यह पक्षी अकसर कीड़ों की तलाश में इधर-उधर घूमता रहता है। *

होआटजिन

यह पक्षी दिखने में बहुत हद तक मुर्गी जैसा लगता है। इसका चेहरा नीला और इसकी कलंगी नारंगी रंग की होती है, जो बेहद प्यारी लगती है। होआटजिन मुख्य रूप से अमेजन बेसिन में नदियों और झीलों के किनारे रहते हैं। ये आहार के रूप में मुख्य रूप से पत्तियां खाते हैं। यह पक्षी गायों, बकरियों और भेड़ों की तरह ही जुगाली करता है। होआटजिन संभवतः दुनिया का एकमात्र ऐसा पक्षी है, जो भोजन पचाने के लिए पेट के बजाय अलग अंगों का उपयोग करता है। यह पक्षी जीवाणु किण्वण (बैक्टीरिया फर्मेंटेशन) की मदद से अपना भोजन पचाता है। इसके द्वारा छोड़े गए दुर्गंधयुक्त बैक्टीरिया वाष्प के कारण इसे 'स्टिंकबर्ड' भी कहते हैं। यह पक्षी धीमी और कम दूरी की उड़ान में ही सक्षम हैं। होआटजिन चिड़ियाघरों में लंबे समय तक जीवित नहीं रहते, इसलिए उन्हें देखने के लिए सबसे अच्छा विकल्प जंगल ही है। यह पक्षी दक्षिण अमेरिका के जंगलों में पाया जाता है। *

ऑर्नेट हॉक-ईगल

चमकदार सुनहरी आंखें और सिर पर मुकुट की तरह सुसज्जित लंबे काले पंख, ऑर्नेट हॉक-ईगल पक्षी को दूर से ही एक अलग पहचान देते हैं। इसकी लंबी और नुकीली शिखा (ताज जैसी संरचना) उड़ान के दौरान तो सपाट रहती है, लेकिन बैठे हुए यह पक्षी इसे लंबवत रूप से उठा सकता है। ऑर्नेट हॉक-ईगल उष्णकटिबंधीय वनक्षेत्र में निचले इलाकों और तलहटी में पाए जाते हैं। इन्हें अकसर सुबह के समय उड़ते हुए देखा जाता है। लंबी दूरी तक उड़ते हुए यह पक्षी तीखी सीटी बजाता है, जो इसकी उपस्थिति का संकेत देती है। वयस्क हॉक-ईगल के सिर के किनारे नारंगी रंग के पंख होते हैं, निचले हिस्से पर मोटी धारियां होती हैं। *

विक्टोरिया-क्राउंड पिजन

पापुआ न्यू गिनी में पाया जाने वाला विक्टोरिया-क्राउंड पिजन बड़े आकार के कबूतर की एक प्रजाति है। इसका शरीर ब्लू-ब्राउन कलर के पंखों वाला, छाती मैरून कलर की, पंख हल्के भूरे रंग के और सिर पर बेहद खूबसूरत नीले-सफेद रंग का मुकुट होता है। मुकुट और उसके पंख का पैच इसे अन्य मुकुटधारी कबूतरों से अलग करता है। यह पक्षी प्रकृति में पाई जाने वाली सबसे बड़ी कबूतर प्रजातियों में से एक है। विक्टोरिया-क्राउंड पिजन निचले दलदली वन क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यहां उन्हें भोजन के लिए जंगल की जमीन पर गिरे हुए फल, बीज, अनाज और छोटे अकशेरूकी जंतुओं की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। *

यूरेशियन हूपो

यूरोप, मध्य-पूर्व एशिया, अफ्रीका में रहने वाला यूरेशियन हूपो एक नारंगी रंग का पक्षी है। इसके पंख जेबरा जैसे धारीदार होते हैं। इसकी एक लंबी घुमावदार चोंच होती है। सिर पर नारंगी और काले रंग का मुकुट होता है, जो चाइनीज फैन जैसा दिखता है। इस क्राउन को हूपो स्वेच्छा से खोल या बंद कर सकता है। इसकी उड़ान और इसके गोल पंख इसे कुछ-कुछ हमिंग बर्ड जैसा लुक देते हैं। लेकिन इसकी चोंच हमिंग बर्ड की तुलना में बहुत लंबी और मोटी होती है। इस पक्षी को घास के मैदान, खेत, बाग-बगीचे ज्यादा भाते हैं। यह अपनी लंबी चोंच का प्रयोग भोजन करने या शिकार पकड़ने में करता है। यूरेशियन हूपो मुख्य रूप से मांसाहारी पक्षी है, ये आमतौर पर कीड़े, छोटे सरीसृप और मेंढक खाता है, लेकिन यह कभी-कभी बीज और जामुन भी खाता है। *

कविता / हरीश कुमार 'अमित'

टुन्नू जी की मोटरकार

टुन्नू जी की मोटरकार,
जैसे इक डिब्बा बेकार।
घर के आगे खड़े-खड़े,
साल हो गए पूरे चार।
स्टार्ट न हो तो यह लेकिन,
कर लो कोशिश कितनी बार।
टायर सारे पंक्चर हैं,
चढ़ा है धूलों का अंबार।
दरवाजों के शीशे टूटे,
सीटों का हुआ बंटाधार।
अगली-पिछली बत्तियां टूटीं,
बोनट में आ गई दरार।
फिर भी अपने इस डिब्बे से,
टुन्नू जी को बेहद प्यार।
लेते सेल्फी इसके संग रोज,
टुन्नू जी दस-बारह बार।

जीके क्विज-130

1. हाल ही में भारत के किस राजनेता को गुयाना, डोमिनिका और बारबाडोस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया?
2. 2024 में फॉर्च्यून पत्रिका की '100 सबसे शक्तिशाली' लोगों की लिस्ट में पहले स्थान पर कौन है?
3. साल 2024 के बुकर पुरस्कार से किसे सम्मानित किया गया?
4. हैदराबाद किस नदी के किनारे बसा है?
5. तानसेन का वास्तविक नाम क्या था?
6. भारत का पिट्सबर्ग किस शहर को कहा जाता है?
7. कांसा किन दो धातुओं का मिश्रधातु है?
8. 'चरक संहिता' किससे संबंधित ग्रंथ है?
9. कांजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
10. विश्व में चांदी का सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन-सा है?

बच्चों, जीके क्विज-130 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-129 का उत्तर : 1.नोएल टाटा, 2.नीमा रिंजी, 3.कांस्य पदक, 4.शिवराज सिंह चौहान, 5.समुद्रगुप्त, 6.दादा भाई नौरोजी, 7.उत्तर प्रदेश, 8. 42 वां संविधान संशोधन, 9.नागालैंड, 10. इंफाल

जीके क्विज-129 का सही उत्तर देने वाले : खुशी-बालोद, प्रयाग-बिलासपुर, कबीर-हिसार, संजय-ईमेल से, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी.ईशान-अहमदाबाद, गुलशन-ईमेल से, हरीश-रायपुर, दिवाकर-भोपाल

सतीश हर साल अपना बर्थ-डे, दोस्तों के साथ बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट करता, खूब एंज्वॉय करता था। पापा के ट्रांसफर की वजह से वह दूसरे शहर में आया तो यह सोचकर उदास था कि अबकी अपना बर्थ-डे धूमधाम से नहीं मना सकेगा। उसके पापा सतीश के मन की बात भांप गए। उन्होंने उसका बर्थ-डे बहुत ही अनोखे ढंग से सेलिब्रेट किया। सतीश को भी बहुत खुशी हुई।

अनोखा बर्थ-डे

कहानी
दिनेश विजयवर्गीय

सतीश के पापा बैंक मैनेजर हैं। उनका ट्रांसफर बिलासपुर से रायपुर हो गया था। सिक्स्थ क्लास में पढ़ने वाले सतीश को नई जगह आने की खुशी तो थी, पर उसे अपने दोस्तों का साथ छूटने का दुख भी था, लेकिन वह कर भी क्या सकता था। रायपुर में नए फ्लैट में आए, अभी एक माह ही हुआ था। आज सतीश का बर्थ-डे था। ऐसे में सतीश को अपने दोस्तों की बहुत याद आ रही थी। वह उनके साथ खेलता था, क्लास में भी वे एक-दूसरे की स्टडी में हेल्प करते थे। अशोक, विमल, कमल और रजनीश के साथ तो सतीश की बहुत अच्छी बॉन्डिंग थी। पांचों दोस्तों का एक-दूसरे के घरों में आना-जाना होता रहता था। बिलासपुर में सतीश और उसके फ्रेंड्स एक ही कॉलोनी में रहते थे। वे सभी पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद के साथ-साथ हर एक्टिविटीज में एक-दूसरे के साथी थे। जब भी किसी फ्रेंड का बर्थ-डे होता, तो बाकी सभी दोस्त उसके घर जाकर कमरे की सजावट करते और गिफ्ट्स देते। वे आपस में देर तक बातें करते, अशोक और विमल तो गाना भी गाते। बच्चों के फैमिली मेंबर्स भी उनके एंज्वॉयमेंट में शामिल होते। फिर सभी मिलकर केक काटते, बर्थ-डे सॉन्ग गाते। फिर सभी टेस्टी फूड्स और स्वीट्स का आनंद लेते। 'ओह! कितना अच्छा टाइम था वह। यहां नई जगह पर पता नहीं कैसे मन पाएगा मेरा बर्थ-डे? इस बार बिलासपुर के दोस्तों के साथ जैसा बर्थ-डे नहीं मना पाएगा।' सतीश काफी देर से यही सब सोच रहा था। उसके मन की बात पापा समझ रहे थे। उनके मन में कुछ विचार आया। वह सतीश के पास आकर बोले, 'बेटा, इस बार हम तुम्हारा बर्थ-डे कुछ अलग ढंग से मनाएंगे।'

पापा की बात सुनते ही सतीश की आंखों में चमक आ गई। उसने चहकते हुए पूछा, 'अलग ढंग से, वो कैसे पापा?'

'इस बार हम तुम्हारे बर्थ-डे पर किसी से कोई गिफ्ट नहीं लेंगे, बल्कि गिफ्ट देकर तुम्हारा बर्थ-डे मनाएंगे।' पापा मुस्कुराते हुए बोले।

'हम किसको और क्या गिफ्ट देंगे पापा? अभी तो यहां मेरा कोई फ्रेंड भी नहीं बना है।' सतीश ने पूछा। 'चलो मेरे साथ...।' पापा सतीश को साथ लेकर मार्केट गए। वह एक रेडीमेड कपड़ों की शॉप पर रुके।

'अब तुम्हारी उत्सुकता का जवाब देता हूं। तुमने कई बार कहा कि हमारी बिल्डिंग के गार्ड अंकल हमेशा मुस्कुराते हुए वेलकम करते हैं, बड़े प्यार से बोलते हैं। हम इस बार उनको एक जैकेट गिफ्ट करेंगे और मिठाई खिलाकर उनका मुंह भी मीठा कराएंगे।' पापा ने सतीश से कहा।

'पापा, आपका यह आइडिया तो बहुत ही अच्छा है। गार्ड अंकल को कितना अच्छा लगेगा।' सतीश खुश होकर पापा से बोला।

सतीश और उसके पापा जल्द ही गिफ्ट और मिठाइयां लेकर मार्केट से लौट आए। सतीश को बिल्डिंग में प्रवेश करते ही गार्ड अंकल मिल गए। वह मिठाई का डिब्बा उनकी तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'लीजिए अंकल, मुंह मीठा कीजिए। आज मेरा बर्थ-डे है।' पापा भी जैकेट वाला बैग गार्ड अंकल की तरफ बढ़ाते हुए बोले, '...और यह एक जैकेट भी लीजिए, सतीश की तरफ से।' गार्ड अंकल सतीश और उसके पापा का प्रेम भरा अपनापन देख गदगद हो गए। सतीश और पापा को भी एक अनोखी-सी खुशी हो रही थी। *

साइंस फैक्ट / नयनतारा

पेड़-पौधे और सूरज का अनोखा कनेक्शन

बच्चों, तुमने देखा होगा कि घर के गार्डन में जो पेड़ होते हैं, वे अकसर एक तरफ झुक या मुड़ से जाते हैं। क्या तुमने कभी सोचा है, ऐसा क्यों होता है? हम तुम्हें इसका कारण समझाते हैं। साथ ही यह भी बताते हैं कि पेड़-पौधे सन-लाइट यानी सूरज की रोशनी को क्यों फॉलो करते हैं?

बहुत ही जरूरी है सन-लाइट: बच्चों, कई बार घर की बाउंड्री, आस-पास की बिल्डिंग्स या किसी अन्य वजह से पेड़ों को पूरी धूप नहीं मिल पाती। ऐसे में जिस तरफ सूर्य की रोशनी आती है, पेड़ भी उसी तरफ मुड़ना शुरू कर देते हैं। इस वजह से कई बार पेड़ एक तरफ झुक से जाते हैं। अगर पेड़ ऐसा नहीं करेंगे, तो वह सूखने और मुरझाने लगेंगे।

सन-लाइट में ही बनता है पेड़-पौधों का भोजन: बच्चों, पत्तियों में 'क्लोरोफिल' नामक एक विशेष हरा पदार्थ होता है, जो उन्हें भोजन के निर्माण में मदद करता है। क्लोरोफिल, शुगर का उत्पादन केवल सन-लाइट यानी सूर्य की रोशनी में ही करता है। पेड़-पौधों द्वारा भोजन बनाने की पूरी प्रक्रिया को 'फोटोसिंथेसिस' यानी 'प्रकाश संश्लेषण' कहते हैं। पेड़-पौधे 'फोटोट्रॉपिक' होते हैं, पेड़-पौधों की पत्तियां सन-लाइट की तरफ मुड़ती हैं ताकि वे सही ढंग से फोटोसिंथेसिस कंप्लीट कर सकें।

एक तरफ झुक जाने का मुख्य कारण: पेड़ की कोशिकाओं में ऑक्सिन नामक एक पदार्थ पाया जाता है। यह पदार्थ सन-लाइट के प्रति संसेटिव होता है, इसलिए सन-लाइट से उल्टी दिशा की तरफ मूव करता है। ऑक्सिन पेड़ की कोशिकाओं में तने की उस साइड जमा हो जाते हैं, जो लाइट से दूर होता है। ऑक्सिन के कारण पेड़ की वे कोशिकाएं, जो सन-लाइट की तरफ नहीं होती हैं, अधिक तेजी से ग्रो करने लगती हैं। इससे पेड़ दूसरी तरफ यानी सन-लाइट की ओर झुक जाता है।

पेड़-पौधों की मूवमेंट क्यों नहीं दिखती: बच्चों, तुम तेज हवा या आंधी में पेड़-पौधों को मूव करते, हिलते-डुलते तो देखते ही होगे। पेड़-पौधों में इंटरनल मूवमेंट भी होता है, लेकिन आमतौर पर ये मूवमेंट काफी स्लो होता है, इसलिए यह दिखाई नहीं देता। कुछ पौधे तो तेजी से मूव करते हैं, जैसे कद्दू की बेल 10 मिनट में अपनी सपोर्ट के इर्द-गिर्द मूव करते हुए एक घेरा बना लेती है। *

रंग भरो-163

रंग भरो-163 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

वासनि, रायपुर

तन्मय, जालौन

तमन्ना, कोरबा

प्रगति, बिलासपुर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

गौरांग, मोवा

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आतिया-बहादुरगढ़, अंकित-धमतरी, प्रगति-रायपुर, चहक-कोसली, रितेश-मटियारी, दिशांत-महेंद्रगढ़, हेतल-भिलाई, दिव्यम-गुना, रोशनी-महासमुंद, दीक्षा-रायगढ़, विशेष-भोपाल, शुभम-दिल्ली, प्रियंका-रोहतक, अंशिका-हिसार, रोहन-बालोद

रंग भरो 164

बच्चों, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी अपने पिगी बैंक में पैसे डाल रही है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम 'बालभूमि' में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक क्यूट-से लिटिल पैंथर का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि लिटिल पैंथर के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

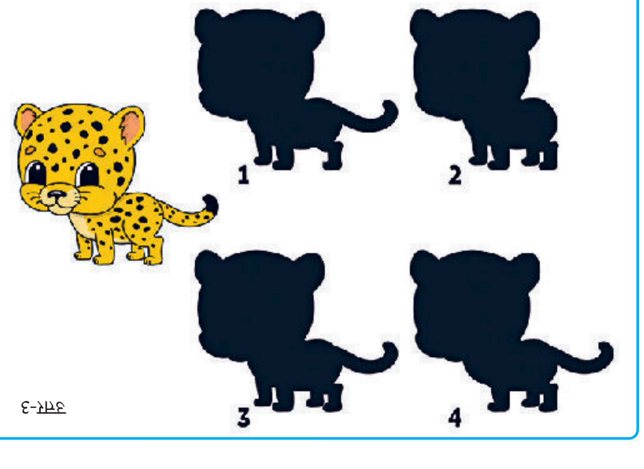

उत्तर-3